

# सच टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 18 अंक 91

मुँरैना, शुक्रवार 10 जुलाई 2026

पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹



ग्रामीण विकास योजनाओं की मेरयन समीक्षा, आयुक्त अवि प्रसाद ने अफसरों को दिए सख्त निर्देश

पेज : 03

करोड़ों पौधे, फिर भी सूनी धरती! आखिर हर साल हरियाली जाती कहाँ है ?

पेज : 04



विधानसभा उप निर्वाचन 2026 संभागायुक्त मनोज खत्री ने पॉलिटिकल कॉलेज स्थित स्टूडेंट रुम का किया निरीक्षण

पेज : 06

हउसिंग बोर्ड कॉलोनी में खाद्य सुरक्षा विभाग ने की कार्रवाई



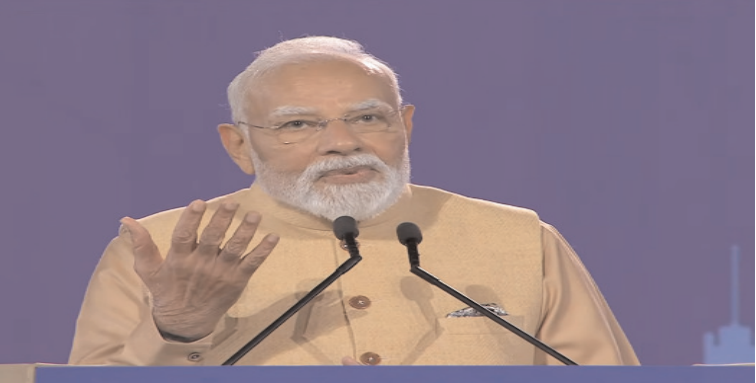
पेज : 07

## ‘ग्रो मोर, अचीव मोर’ के मंत्र के साथ विकसित भारत की ओर बढ़ रहा देश : मोदी

मेलबर्न, 09 जुलाई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि 21वीं सदी का भारत ‘ग्रो मोर, अचीव मोर’ के मंत्र के साथ विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब चंद्रयान की सफलता तक सीमित नहीं है बल्कि गगनयान मिशन और अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने के लक्ष्य पर भी काम कर रहा है।

मेलबर्न में आयोजित भव्य प्रवासी भारतीय समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और जल्द ही विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक सपना पूरा होने के बाद भारत नया सपना देखने और उसे साकार करने की क्षमता रखता है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया की आदिवासी परंपरा के पारंपरिक संस्करणों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की। उन्होंने कहा कि सिडनी के बाद इस बार मेलबर्न आकर भारतीय समुदाय से मिलना उनके लिए विशेष



खुशी का अवसर है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की उपस्थिति के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहे हैं और इसमें भारतीय प्रवासी समुदाय की सबसे बड़ी भूमिका है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जब वह पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में ऑस्ट्रेलिया आए थे, तब 28 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा हुई थी। उन्होंने याद दिलाया कि तब उन्होंने वादा

किया था कि अगली यात्रा के लिए 28 वर्ष का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पिछले 12 वर्षों में यह उनकी तीसरी ऑस्ट्रेलिया यात्रा है, जो दोनों देशों के मजबूत होते संबंधों का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि वे ऑस्ट्रेलिया की प्रगति में योगदान दे रहे हैं लेकिन उनका मन और दिल भारत से हमेशा जुड़ा रहता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां प्रेम, संस्कृति और अपने संस्कारों की खुशबू फैलाने हैं। उन्होंने कहा,

‘आपके घरों में दूध ऑस्ट्रेलिया का हो सकता है लेकिन उससे बनने वाली चाय भारतीय होती है।’

उन्होंने कहा कि मेलबर्न का भारतीय समुदाय अपनी सांस्कृतिक गतिविधियों, धार्मिक आयोजनों, भारतीय त्योहारों, बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों और क्रिकेट प्रतियोगिताओं के माध्यम से भारतीयता को जीवंत बनाए हुए है। उन्होंने मेलबर्न में होने वाले भारतीय फिल्म महोत्सव के सफल आयोजन के लिए भी शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक पहुंचकर दुनिया में नया इतिहास रचा लेकिन भारत यहीं रुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि अब गगनयान मिशन के साथ-साथ भारत अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में भी काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत में आज दो लाख से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप हैं और हर महिने कर हजार से अधिक नए स्टार्टअप शुरू हो रहे हैं। खा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में भी निजी उद्यम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं तथा जल्द ही भारत का पहला निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप अपने स्वयं के रॉकेट से उपग्रह प्रक्षेपित करेगा।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव 5,017 करोड़ रुपये की उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन परियोजना का करेंगे भूमि पूजन

98.73 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी परियोजना से मालवा के विकास को मिलेगी नई गति

भोपाल : गुरुवार, जुलाई 9, 2026, 19:04 बूस्त्र मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के सड़क अधोसंरचना विकास में 10 जुलाई को एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ने जा रहा है। इस दिन उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन मार्ग परियोजना का भूमि पूजन होगा। लगभग 98.73 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण 5,017 करोड़ रुपये की लागत से मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा किया जाएगा। यह परियोजना उज्जैन, दक्षिण, घट्टिया, नागदा-खाचरोद, आलोट एवं जावरा विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। दो वर्ष में पूर्ण होने वाली इस परियोजना से लगभग 35 लाख आबादी तथा 62 ग्राम प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रीनफील्ड फोरलेन मार्ग के निर्माण से उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से सीधा एवं तेज संपर्क मिलेगा। विशेष रूप से सिंहस्थ-2028 के दौरान राजस्थान, गुजरात तथा देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए यह मार्ग अत्यंत सुगम और सुविधाजनक साबित होगा। साथ ही इंदौर, भोपाल एवं मालवा क्षेत्र की कनेक्टिविटी भी और अधिक सुदृढ़

होगी। परियोजना के अंतर्गत 98.73 किलोमीटर ग्रीनफील्ड फोरलेन मार्ग, 3 रेल ओवरब्रिज, 9 वृहद पुल, 26 मध्यम पुल तथा 417 पुलियों का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जावरा बायपास पर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे

इंटरचेंज से महु-नीमच फोरलेन मार्ग तक दोनों ओर सर्विस रोड का भी निर्माण प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के औद्योगिक, व्यापारिक एवं कृषि विकास को नई गति प्रदान करेगी। किसानों को अपनी उपज विभिन्न कृषि उपज मंडियों तक शीघ्र पहुंचाने में सुविधा मिलेगी, वहीं उद्योगों, लॉजिस्टिक्स एवं निवेश गतिविधियों को

भी बढ़ावा मिलेगा। बेहतर सड़क संपर्क से यात्रा समय एवं ईंधन की बचत होगी तथा सड़क सुरक्षा में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा। उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन परियोजना मध्यप्रदेश की प्रमुख आधारभूत संरचना परियोजनाओं में से एक है, जिसके पूर्ण होने पर प्रदेश की आर्थिक, औद्योगिक और सामाजिक प्रगति को नई दिशा मिलेगी तथा मालवा क्षेत्र के समग्र विकास को महत्वपूर्ण गति प्राप्त होगी।

## मप्र के उमरिया जिले में खड़े ट्रक में घुसी कार, चार मौत

उमरिया, 09 जुलाई (हि.स.)। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर ग्राम भरोला सिद्धबाबा धाम के पास गुरुवार तड़के एक तेज रफ्तार अटिंगा कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा कोतवाली थाना क्षेत्र की सिविल लाइन चौकी अंतर्गत भरोला स्थित सिद्धबाबा मंदिर के पास गुरुवार तड़के करीब 3:30 से 4 बजे के बीच हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए। पुलिस और राहत-बचाव दल ने घंटों की मशकत के बाद घायल और शवों को बाहर निकाला। मृतकों में एक मासूम बच्चा, दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। पुलिस के अनुसार अटिंगा कार एमपी-18-जेई-9677 में सवार परिवार अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम थाना क्षेत्र के लीलहाटोला गांव से चित्रकूट जा रहा था। परिवार अपनी बेटी को परीक्षा दिलाने के लिए रवाना हुआ था, लेकिन रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस, सिविल लाइन चौकी का अमला और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। क्षतिग्रस्त कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए काफी देर तक रेस्क्यू अभियान चलाया पड़ा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा ने बताया कि हादसे में ग्राम संपर्क कुलपत सिंह (37), उनकी हेड कांस्टेबल पत्नी सविता सिंह मार्को (32), प्रियंका सिंह और तीन वर्षीय रुद्र प्रताप की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में 22 वर्षीय खुबबू मार्को गंभीर रूप से घायल हुई है।

## मुख्यमंत्री योगी ने चित्रकूट के प्रमुख संतों के साथ लगाई कामदगिरि पर्वत की पंचकोसी परिक्रमा

-परिक्रमा में जगह जगह संतो ने किया सीएम योगी का स्वागत

चित्रकूट, 09 जुलाई (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने चित्रकूट जनपद प्रवास के दूसरे दिन गुरुवार को प्रभु श्रीराम की तपोभूमि एवं धर्मगंगी चित्रकूट में विधि-विधानपूर्वक पूजन-अर्चन कर भगवान श्री कामतानाथ के दर्शन किए। पावन कामदगिरि परिक्रमा कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरछ हनुमान मंदिर से अपनी परिक्रमा प्रारंभ करते हुए रघुवर किशोर मंदिर के दर्शन किए तथा ब्रह्म एवं भक्ति भाव के साथ भगवान श्री कामतानाथ की पावन परिक्रमा की। परिक्रमा के दौरान राम मोहल्ला में संत मदन गोपाल दास जी ने पूजन-अर्चन कराया। प्रथम मुखारविंद पर पुजारी भरत शरण दास महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य विधिवत पूजा संपन्न कराई। भरत मिलान मंदिर में महंत राम मनोहर दास जी ने भगवान भरत के चरण चिन्हों का पूजन एवं आरती कराई। बरछ हनुमान मंदिर में मंदिर



के पुजारी विजय तिवारी महाराज द्वारा श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन-अर्चन एवं आरती कराई गई। कामदगिरि महाराष्टी स्थल पर आचार्य विपिन विराट ने मुख्यमंत्री के करकमलों से भगवान श्री कामतानाथ की महाराष्टी एवं पूजन संपन्न कराया। इस अवसर पर आचार्य विपिन विराट ने मुख्यमंत्री को कामदगिरि का चित्र एवं रामनामी अंगवस्त्र भेंट

कर सम्मानित किया। वहीं कामदगिरि क्षेत्र के सभासद अरुण कुमार त्रिपाठी ‘जुगल’ ने भगवान श्री कामतानाथ का चित्र एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया। महाराष्टी के अवसर पर तुलसी पीठ के रामचंद्र दास जी, भारत मंदिर के महंत दिव्य जीवनदास जी सहित अनेक संत-महान्या एवं महंतगण उपस्थित रहे। परिक्रमा के दौरान सम्पूर्ण परिक्रमा क्षेत्र के श्रद्धालुओं द्वारा लगाए जा रहे ‘जय श्रीराम’ एवं मुख्यमंत्री के जयघोष से भक्तिमय वातावरण में गुंजायमान रहा। योगी ने मार्ग में उपस्थित छोटे-छोटे बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी पढ़ाई के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें टॉफी एवं चॉकलेट वितरित कर प्रोत्साहित किया। उन्होंने बच्चों को सोहपूर्वक गोद में लेकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने परिक्रमा मार्ग में बंदरों एवं गैवशं को चना एवं गुंड खिलाकर जीवों के प्रति अपनी संवेदनशीलता एवं करुणा का परिचय दिया।

## देश के छोटे शहरों की बढ़ती मांग से पिलपकार्ट के फूड एवं न्यूट्रिशन कारोबार में 50 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली/बेंगलूर, 09 जुलाई (हि.स.)। भारत के फ्रेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस पिलपकार्ट ने गुरुवार को बताया कि उसकी फूड एंड न्यूट्रिशन कैटेगरी में सालाना आधार पर 50 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी ने कहा कि इस बढ़ती में जेन जी ब्राह्मों के साथ-साथ धुनिया, इंगलत, धारावाड़, उज्जैन, हुबली, मीरांज और लक्षपुर सहित कई टियर-2 और अन्य शहरों के ब्राह्मों का अहम योगदान रहा। वहीं, कुल मांग में पिलपकार्ट मिनट्स की 25 फीसदी हिस्सेदारी के साथ क्विक कॉमर्स इस वृद्धि में अहम भूमिका

निभा रहा है। पिलपकार्ट ने कहा कि इस मांग को सबसे ज्यादा तेजी ऐसे युवा ब्राह्मक दे रहे हैं, जो कहीं रैसिपी देखकर, फ़्रिजेंट्स की रिकमेंडेशन पर या वेलेनेस ट्रेंड्स के आधार पर प्रोडक्ट्स खोजते हैं। इसमें ऐसे नॉन-मेट्रो शॉर्स भी शामिल हैं, जो अपनी सर्वोई में ज्यादा स्वास्थ्य से भरपूर और मॉडर्न न्यूट्रिशन प्रोडक्ट्स को शामिल कर रहे हैं। इस विकास की झलक पिलपकार्ट फूड पेन्स्ट 2026 के तीसरे संस्करण में नजर आई, जिसमें 50 से ज्यादा अग्रणी ब्रांड्स, 1000 से ज्यादा फ़्रिजेंट्स और सेलेब्रिटी शेफ साथ आए।

इनमें फ़राह खान, शेफ कुणाल कपूर और शेफ रणवीर ब्रा र के नाम उल्लेखनीय हैं ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस पिलपकार्ट ने कहा कि सालाना वृद्धि में 60 फीसदी हिस्सेदारी जेन जी की है। इस पीढ़ी के ब्राह्मों की मांग में प्रोटीन ओट्स, हार्ड प्रोटीन पीनट बटर, गाँमे चॉकलेट और प्रोटीन मुसली जैसे प्रोडक्ट्स सबसे ऊपर हैं। कॉरियन-फ़ेलेइड लैक जैसे कपा नूडल्स और चिप्स भी तेजी से बढ़ने वाली कैटेगरी के रूप में सामने आ रहे हैं। बेंगलूर और नई दिल्ली जैसे शहरी इलाकों से इनकी मांग निराल रही है।

## अमित शाह व अन्य ने अभातिप स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं, राष्ट्र निर्माण में छत्रशक्ति की भूमिका को सराहा

नई दिल्ली, 09 जुलाई (हि.स.)। विश्व के सबसे बड़े छत्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के स्थापना दिवस पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों ने शुभकामनाएं देते हुए संगठन की राष्ट्र निर्माण, छत्र हित और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में निभाई जा रही भूमिका की सराहना की। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री शाह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलने वाला अभाविप छत्रशक्ति को संगठित कर उभरे राष्ट्रभक्ति की भावना को संचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के विरोध से लेकर पूर्वोत्तर में घुसपैठ जैसी राष्ट्रीय चुनौतियों तक परिषद ने सदैव युवाओं को राष्ट्रहित के कार्यों में अग्रणी बनाया है और आगे भी राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने के लिए युवा पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।

## रेल मंत्री से मिले पुष्कर सिंह धामी, नई रेल सेवाओं और लंबित परियोजनाओं में तेजी का किया आग्रह

-मुंबई-देहरादून वंदे भारत सहित कई रेल प्रस्तावों पर रेल मंत्री का सकरात्मक रुख

देहरादून, 09 जुलाई (हि.स.)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को रेल भवन नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर राज्य में रेल संपर्क के विस्तार,लंबित रेल परियोजनाओं में तेजी और नई रेल सेवाएं शुरू करने सहित विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की। रेल मंत्री ने प्रस्तावों पर



सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा, हरिद्वार, ऋषिकेश, कैंची धाम, जांगेखर धाम तथा वर्ष 2027 में प्रस्तावित कुंभ के महेजनर

राज्य में आधुनिक और सुदृढ़ रेल नेटवर्क का विस्तार आवश्यक है। उन्होंने मुंबई-देहरादून के बीच वंदे भारत अथवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस शुरू करने और मुंबई-हरिद्वार और मुंबई-रामनगर रेल सेवाओं की आगुति बढ़ाने का अनुरोध किया। साथ ही देहरादून-कोटा रेल सेवा को सूरत, वडोदरा और मुंबई तक विस्तारित करने तथा हरिद्वार-मुंबई एवं रामनगर-मुंबई रेल सेवाओं को निर्गमित अथवा सप्ताह में कम से कम तीन दिन संचालित करने का भी आग्रह किया।

स्वामी एवं प्रकाशक रविन्द्र सिंह नवरंग द्वारा वनखंडी रोड़ हरीराज टॉकीज के पीछे, शिवनगर मुँरैना (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रक नवीन बंसल द्वारा बंसल ऑफसेट रामजानकी मंदिर के पास, जीवाजीगंज मुँरैना से मुद्रित, स्थानीय संपादक- धर्मेन्द्र सिंह ‘सीताराम जी ’, मुँरैना, मोबाइल 6261839476 RNI No. MPHIN/2009/45558 फोन 07532-232387 मोबा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र मुँरैना ही होगा। डाक पंजीयन चंबल क्रमांक जी-13-2/163/RNP/2025-27, email : sachtimes101@gmail.com

## छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को एक एक वर्ष का सश्रम कारावास व 500-500/रु अर्थदण्ड से दंडित किया गया



मुरैना (निरा संजवददात)। छेड़छाड़ करने के मामले में माननीय न्यायालय श्रीमती ज्योत्सना तोमर, जेएमएफसी मुरैना ने प्र0क्र0 1076/19 में आरोपी रामनिवास कुशवाह पुत्र छिद्रराम कुशवाह, उम्र 28 वर्ष निवासी राजाराम का पुरा जिला मुरैना को धारा 354, 457 भादव में एक- एक वर्ष का सश्रम कारावास व कुल 1000/- रु अर्थदण्ड से दंडित किया गया। उक्त प्रकरण में पैरवी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती उज्जा सुलताना द्वारा की गई।

मीडिया सेल प्रभारी श्रीमती रश्मि अग्रवाल (अभियोजन) ने घटना के बारे में बताया कि घटना दिनांक 25-26.06.2019 की मध्य रात्रि अभियोजक रोजना की तरह अपने आगमन में सो रही थी। तभी अचानक

उसके घर के आँगन का बल्क बंद हो गया आवाज आई तो उसने पूछ कौन है तो कोई नहीं बोला टॉर्च से रोशनी करके देखा तो उसके पडोसे में रहने वाला रामनिवास कुशवाह था उसने उसके पास आकर बुरी नियत से उसका हाथ पकड़ कर कमर की तरफ से उसे जकड़ लिया। यह चिल्लाई तो उसकी जेठानी व नन्द भागकर आई जब तक आरोपी उसे धक्का देकर छोड़ कर भाग गया और उससे बोला कि अगर इस बारे में किसी को बताया तो उसे व उसके बच्चों को जान से खत्म कर देगा। आमयोक्त्री ने उक्त घटना के संबंध में आरक्षी केन्द्र बामौर आकर रिपोर्ट की। उक्त रिपोर्ट पर से अभियुक्त के विरुद्ध आरक्षी केन्द्र बामौर में अपराध क्रमांक 225/2019 अंतर्गत धारा 456,354,506 भाग 02 भादस में अपराध पंजीबद्ध किया गया। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा अभियोजन के साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होकर निर्णय दिनांक 06/07/26 ने आरोपी रामनिवास कुशवाह पुत्र छिद्रराम कुशवाह, उम्र 28 वर्ष निवासी राजाराम का पूरा जिला मुरैना को धारा 354 भादस में 01 वर्ष का सश्रम कारावास व 500 रु अर्थदंड तथा धारा 457 भादस में 01 वर्ष का सश्रम कारावास व 500 रु अर्थदंड से दंडित किया गया।

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) श्योपुर नगर इकाई द्वारा राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस एवं स्थापना दिवस के अवसर पर ‘छत्र युवा उद्घोष’ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेते हुए राष्ट्र निर्माण, छात्र हितों की रक्षा तथा युवाओं की सकरायत्मक भूमिका को लेकर संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रांत फार्माविजन संयोजक सौरभ गुर्जर ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद वर्ष 1949 से देश के छात्र-युवाओं के सर्वांगीण विकास, राष्ट्रवादी विचारों के प्रसार और छात्र अधिकारों की रक्षा के लिए सतत कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि एबीवीपी केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि छात्र शक्ति को राष्ट्र शक्ति में परिवर्तित करने वाला एक सशक्त जनआंदोलन है। परिषद ने शिक्षा, सामाजिक सरोकारों और राष्ट्रीय मुद्दों पर हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल छित्री प्राप्त करने तक सीमित न रहें, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को भी

**‘1949 से छात्र शक्ति को राष्ट्र शक्ति बनाने का कार्य कर रहा है विद्यार्थी परिषद’—सौरभ गुर्जर**



समझें तथा नेतृत्व क्षमता विकसित कर देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

इस अवसर पर जिला संयोजक गणेश शर्मा ने जिले में छात्रों के समझ आने वाली विभिन्न समस्याओं, उच्च शिक्षा, छात्र सुविधाओं तथा संगठन द्वारा चलाए जा रहे छात्र हित के अभियानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद सदैव छात्रों की आवाज बनकर

उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करती रही है और भविष्य में भी यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर इकाई अध्यक्ष कैलाश गुप्ता ने की। मंच पर नगर मंत्री विष्णु वाल्मिक एवं प्रांत कार्यकारिणी सदस्य मीनाक्षी जाटव भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन ध्रुव गर्ग ने किया। इस अवसर पर विभू शर्मा, अभिषेक सिकरवार, राकेश जाट, उदय

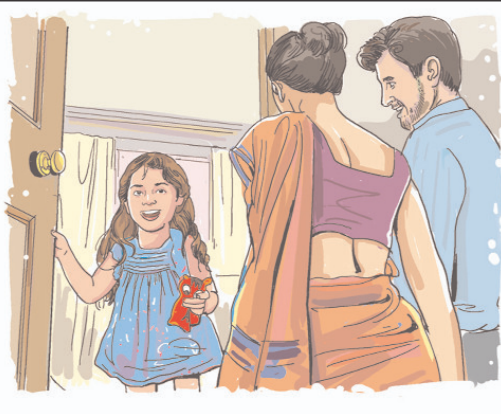
शर्मा, हंसरज गुर्जर, जतिन जाट, गौरव शर्मा, होताम जाट, मनीष प्रजापति, नुरुर श्रीवास्व, कल्पना, रेशमा जाटव, गोविंद गुर्जर, कविता सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं राष्ट्रहित में छात्र शक्ति को संगठित कर समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

## विषम परिस्थितियों से जूझ रही बेटियों के लिए सुनहरा अवसर: चार साल तक मिलेगी रु. 50 हजार वार्षिक छात्रवृत्ति

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। आर्थिक और सामाजिक विषम परिस्थितियों में पढ़ाई कर रही बालिकाओं के लिए राहत और प्रोत्साहन की बड़ी खबर है। माननीय मुख्य न्यायाधिपति, उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के अनुमोदन तथा मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशन में कोल इंडिया लिमिटेड की महत्वाकांक्षी ‘प्रज्ञा योजना’ के तहत पात्र छात्राओं को चार वर्षों तक प्रतिवर्ष 750,000 की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

इस योजना का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली बालिकाओं को शिक्षा से जोड़कर रखना है, जो परिवारिक, आर्थिक या सामाजिक कठिनाइयों के बावजूद अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती हैं। योजना के अंतर्गत पूरे प्रदेश से कक्षा 8वीं से 12वीं तक अध्ययनरत 1000 बालिकाओं का चयन किया जाएगा। चयनित प्रत्येक छात्रा को लगातार चार वर्षों तक प्रतिवर्ष 750 हजार की छात्रवृत्ति दी जाएगी, जिससे उनकी शिक्षा निबाध रूप से जारी रह सके।



**कोल इंडिया लिमिटेड की ‘प्रज्ञा योजना’ के तहत कक्षा 8 से 12वीं तक की 1000 बालिकाओं का होगा चयन, श्योपुर में 15 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित**

श्योपुर जिले में इस योजना का क्रियान्वयन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कपिल मेहता के निर्देशन तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती वर्षा सूर्यवंशी मजूमदार के मार्गदर्शन में किया जाएगा। निर्धारित पात्रता के अनुसार जिले की योग्य बालिकाओं का चयन कर उन्हें इस योजना का लाभ दिलाया जाएगा। किन बालिकाओं को मिलेगा लाभ?

प्रज्ञा योजना के तहत वे छात्राएं आवेदन कर सकती हैं—
जिनके माता-पिता का निधन हो चुका हो।
जिनके परिवार के कमाने वाले सदस्य का निधन हो गया हो।
शारीरिक रूप से दिव्यांग छात्राएं।
ऐसे परिवारों की बालिकाएं जिनके माता-पिता शिक्षा का खर्च उठाने में असमर्थ हों।
जिनके पिता ‘जेल’ में हों और माता की

आय पर्याप्त न हो।

आर्थिक रूप से कमजोर आदिवासी परिवारों की छात्राएं।

अथवा अन्य समान विषम परिस्थितियों में अध्ययनरत बालिकाएं।

15 जुलाई तक करें आवेदन

जिला विधिक सहायता अधिकारी ने बताया कि पात्र छात्राएं 15 जुलाई सायं 5 बजे तक अपने आवेदन एडीआर भवन स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय श्योपुर में जमा कर सकती हैं।

योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष नंबर 07530-299022 पर संपर्क किया जा सकता है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने नागरिकों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे अपने आसपास की पात्र एवं जरूरतमंद बालिकाओं तक इस योजना की जानकारी अवश्य पहुंचाएं, ताकि कोई भी योग्य छात्रा केवल आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रहे।

## ‘अब डर में जी रहा है श्योपुर!’ बस स्टैंड पर खूनी हमले के बाद सर्व समाज और बोहरा समाज सड़कों पर, एसपी कार्यालय का घेराव कर दी उग्र आंदोलन की चेतावनी



गया, जहाँ मृतजा के सिर में गंभीर चोट आने पर आठ टंके लगाए गए।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमलावर जाते-जाते जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। उनका कहना है कि यह केवल मारपीट नहीं बल्कि सुनिश्चित जानलेवा हमला था, इसलिए आरोपियों पर हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में कार्रवाई की जाए।

**‘नो पुलिसिंग... अब ज़ापन नहीं, आंदोलन होगा’**

प्रदर्शन के दौरान सर्व समाज के प्रतिनिधि एवं भाजपा नेता रामखन नापाखेड़ली ने पुलिस व्यवस्था पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि अब शहर में ‘नो पुलिसिंग’ जैसी स्थिति बन चुकी है। उनका कहना था कि जनता बार-बार ज़ापन देकर थक चुकी है, लेकिन अपराधों पर अंकुश नहीं लग रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो समाज स्वयं बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाएगा।

**बोहरा समाज की मांग—बाजार और बस स्टैंड को बनाया जाए सुरक्षित**

हिज्बे बुरहानी कमेटी, सिया दाऊदी बोहरा जमात द्वारा पुलिस अधीक्षक को दिए गए ज़ापन में मांग की गई कि नामजद आरोपियों पर हत्या के प्रयास जैसी गंभीर धाराएं लगाई जाएं, शहर में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, बोहरा बाजार और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा नए बस स्टैंड पर स्थायी पुलिस चौकी स्थापित की जाए। ज़ापन में कहा गया कि बस यूनिवन भी लंबे समय से बस स्टैंड पर पुलिस चौकी की मांग करती आ रही है।

**एसपी ने दिए कार्रवाई के निर्देश**

प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल से मुलाकात कर जिले में बढ़ रहे अपराध, चोरी, बस स्टैंड पर पुलिस चौकी, बोहरा बाजार में गश्त, रेलवे स्टेशन पर रात्रिकालीन पुलिस तैनाती तथा यातायात व्यवस्था को लेकर चर्चा की। पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली थाना प्रभारी को आवश्यक कार्रवाई और अपराध निर्वणन के निर्देश दिए।

हालांकि, प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यदि शहर में कानून व्यवस्था जल्द नहीं सुधरी और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो सर्व समाज व्यापक जनआंदोलन छेड़ेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

## स्कूल वाहनों पर यातायात पुलिस का बड़ा एक्शन: 24 वाहनों की जांच, 15 पर चालान, रु. 22,600 का जुर्माना

**बिना फिटनेस, ओवरलोड, बिना परमिट, बीमा और अनिशामन यंत्र वाले वाहन आए कार्रवाई की जद में, 17 जुलाई तक चलेगा विशेष अभियान**

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर 8 जुलाई से 17 जुलाई तक चलाए जा रहे विशेष स्कूली वाहन चेकिंग अभियान के तहत श्योपुर यातायात पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नियमों की अनेदेखी कर संचालित हो रहे स्कूल वाहनों पर शिकंजा कस दिया। अभियान के दौरान 24 स्कूल वाहनों की गहन जांच की गई, जिनमें गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर 15 वाहनों के चालान काटकर कुल 722,600 का जुर्माना वसूला गया।

पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया के मार्गदर्शन में यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह राजपूत के नेतृत्व में यह अभियान शहर के विभिन्न स्थानों पर चलाया गया। जांच के दौरान कई स्कूल वाहन सुरक्षा मानकों की खुली अनेदेखी करते मिले, जिससे स्कूली बच्चों की जान जोरिम में डूली जा रही थी।

**इन गंभीर खामियों पर हुई कार्रवाई**

यातायात पुलिस की जांच में सामने आया कि कई वाहन बिना आवश्यक दस्तावेजों और सुरक्षा उपकरणों के ही बच्चों को ढेर रहे थे। कार्रवाई के दौरान—
01 वाहन बिना फिटनेस प्रमाणपत्र,06 वाहन ओवरलोड,03 वाहन बिना अनिशामन यंत्र,01 वाहन बिना प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) किट,03 वाहन बिना बीमा,01 वाहन बिना परमिट सहित अन्य नियम उल्लंघनों पर चालानी कार्रवाई की गई।

## श्योपुर को मिले नए लोक अभियोजक, विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने जारी किए नियुक्ति आदेश

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। मध्यप्रदेश शासन के विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने

श्योपुर जिला न्यायालय में अभियोजन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नए लोक अभियोजक एवं अतिरिक्त लोक अभियोजकों की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन नियुक्तियों को एक वर्ष अथवा 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने (फो पले हो) तक परिवीक्षा पर प्रभावशील रखा जाएगा।

जारी आदेश के अनुसार नरेंद्र सिंह मावई, अधिवक्ता (पंजीयन क्रमांक 2808/2007) को श्योपुर जिला मुख्यालय पर लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है। वहीं राजेन्द्र कुमार बैरवा, अधिवक्ता (पंजीयन क्रमांक 1293/2016) को अतिरिक्त लोक अभियोजक तथा नकुल जैन, अधिवक्ता (पंजीयन क्रमांक 1761/2015) को अतिरिक्त लोक अभियोजक के पद पर नियुक्त किया गया है। नकुल जैन की नियुक्ति अपर लोक अभियोजक महेन्द्र कुमार जैन के स्थान



पर की गई है।

मध्यप्रदेश शासन के सचिव मुकेश कुमार द्वारा 6 जुलाई 2026 को जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह नियुक्तियां भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिता, 2023 की धारा 18(3) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई हैं। साथ ही विभागीय नियमावली के नियम 17(3) के तहत नियुक्त अधिवक्ताओं को संबंधित पदों पर पदाभिहीत किया गया है। शासन ने आदेश में यह भी उल्लेख किया है कि ये नियुक्तियां

पूर्णतः परिवीक्षा पर होंगी तथा आवश्यकता पड़ने पर बिना कारण बताए किसी भी समय निरस्त की जा सकेंगी।

श्योपुर में नई नियुक्तियों को लेकर न्यायिक एवं अधिवक्ता जगत में चर्चा का माहौल है। माना जा रहा है कि इन नियुक्तियों से जिला न्यायालय में लॉबि आपरधिक प्रकरणों को प्रभावी पैरवी तथा अभियोजन व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी।

प्रदूषण और घटती हरियाली मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाए और उनकी देखभाल भी करें।

इस अवसर पर बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े प्रेरक नारों के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया—

‘पेड़-पौधों को मत करो नाप,

वरना हमें साँस लेने में होगा कष्ट।’

‘पेड़-पौधों की करो रखवाली,

तभी आएगी सुंदर हरियाली।’

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि एक पौधा केवल हरियाली ही नहीं देता, बल्कि शुद्ध वायु, छाया, फल और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण का आधार भी बनता है। सभी बच्चों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प भी लिया।

विद्यालय परिवार ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मन में प्रकृति के प्रति प्रेम, पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी और सकरात्मक सोच विकसित करना है, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ स्वच्छ, स्वस्थ और हरित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें।

‘एक पेड़ - सौ खुशियाँ, हर पौधा - भविष्य की सुरक्षा’ के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।



**बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं**

यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि स्कूल वाहन केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी हैं। ऐसे में बिना फिटनेस, बिना परमिट, बिना बीमा, बिना स्पीड गवर्नर, बिना मॅडिकल किट और क्षमता से अधिक बच्चों को बैठकर वाहन चलाना गंभीर लापरवाही है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

**वाहन संचालकों को दी सख्त चेतावनी**

अभियान के दौरान वाहन संचालकों को निर्देश दिए गए कि वे सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन, फिटनेस, परमिट, बीमा और प्रदूषण प्रमाणपत्र हमेशा साथ रखें। साथ ही प्रत्येक स्कूल वाहन में अग्निशमन यंत्र, मॅडिकल किट, स्पीड गवर्नर अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहे और क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाया जाए।

**17 जुलाई तक जारी रहेगा अभियान**

यातायात पुलिस ने बताया कि यह विशेष अभियान 17 जुलाई तक लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूल वाहन संचालकों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे अपने बच्चों के स्कूल वाहनों की सुरक्षा और वैध दस्तावेजों की जानकारी रखें तथा किसी भी अनियमितता की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

# ग्रामीण विकास योजनाओं की मैराथन समीक्षा, आयुक्त अवि प्रसाद ने अफसरों को दिए सख्त निर्देश

**वीसी के जरिए हुई जिलेवार समीक्षा, पेयजल, वाटरशेड, पंचायत कार्य, एनआरएलएम और वृंदावन ग्राम योजना की प्रगति पर मांगी जवाबदेही**

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

रयोपुर। ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, समयबद्ध प्रगति और जमीनी स्तर पर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के आयुक्त (वीबी-जीराम योजना) अवि प्रसाद की अध्यक्षता में गुरुवार, ग्रामीण नल-जल योजनाओं के हस्तान्तरण, ग्रामीण पेयजल व्यवस्था तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत संचालित गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाने तथा गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में वीबी-जीराम योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (वाटरशेड), प्रधानमंत्री पोषण शक्ति



निर्माण, पंचायत राज अंतर्गत संचालित विकास कार्य, वृंदावन ग्रामों की पंचवर्षीय कार्ययोजना, ग्रामीण नल-जल योजनाओं के हस्तान्तरण, ग्रामीण पेयजल व्यवस्था तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत संचालित गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई।

आयुक्त अवि प्रसाद ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे और किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति, जल संरक्षण, आजीविका संवर्धन तथा पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों को नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान योजनाओं के समग्र विकास हेतु तैयार पंचवर्षीय कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्रामीण नल-जल योजनाओं के समयबद्ध हस्तान्तरण तथा जलापूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। साथ ही एनआरएलएम के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूहों की आर्थिक

गतिविधियों को बढ़ावा देने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों की भी समीक्षा की गई।

रयोपुर जिले के एनआईसी कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद, अपर मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. अजय उपाध्याय, सीईओ जनपद पंचायत रयोपुर एस.एस. भटनागर तथा परियोजना अधिकारी विक्रम जाट सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक का उद्देश्य ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाकर शासन की प्राथमिकताओं को धरातल पर उतारना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना रहा। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि योजनाओं की नियमित समीक्षा कर प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर प्रस्तुत करें, ताकि विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो और आमजन को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके।

## एक माह में 20 नल-जल योजनाएं पूरी करने का अल्टीमेटम, सीईओ सौम्या आनंद ने पीएचई अधिकारियों से कहा—लापरवाही बर्दाश्त नहीं, बंद योजनाएं भी होंगी चालू

**हैंडओवर, संयुक्त निरीक्षण और तकनीकी छात्रियों के तत्काल निराकरण के निर्देश; पेयजल योजनाओं की गुणवत्ता और समय-सीमा पर प्रशासन सख्त**

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

रयोपुर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद ने जिले में पेयजल योजनाओं की सुस्त रफ्तार पर सख्त रख अपनाते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत योजनाओं को तय समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित रखना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा और लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी।

जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में जिले में संचालित नल-जल योजनाओं, पुनरीक्षित ग्रामों में स्वीकृत योजनाओं तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में कार्यों की धीमी गति पर चिंता व्यक्त करते हुए सीईओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अग्रे कार्यों को प्राथमिकता देकर शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो। बैठक में कार्यपालन यंत्री अफजल अमानुल्ला सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

**एक माह में 20 योजनाएं पूरी करने का लक्ष्य** : बैठक में आगामी एक माह के भीतर कराहल विकासखंड की 10, रयोपुर विकासखंड की 5 तथा विजयपुर विकासखंड की 5 नल-जल योजनाएं पूर्ण कर उनका कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिन योजनाओं में केवल अंतिम चरण का कार्य शेष है, उन्हें तत्काल पूरा कर संचालन शुरू कराने पर विशेष जोर दिया गया।

बंद पड़ी योजनाओं को फिर से चालू करने की तैयारी

सीईओ श्रीमती सौम्या आनंद ने निर्देश दिए कि पूर्ण होने वाली सभी योजनाओं के हैंडओवर की लिखित जानकारी नियमित रूप से जिला पंचायत को भेजी जाए।



साथ ही पीएचई विभाग और जिला पंचायत की संयुक्त टीम योजनाओं का निरीक्षण करेगी। निरीक्षण के दौरान यदि किसी योजना में तकनीकी खामी सामने आती है तो आवश्यक तकनीकी स्वीकृति लेकर उसका त्वरित निराकरण किया जाएगा, ताकि बंद पड़ी योजनाओं को भी दोबाय शुरू किया जा सके।

**जल गुणवत्ता पर भी प्रशासन की पैनी नजर** बैठक में फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। सीईओ ने महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से सेक्टर बैठकों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को एफटीके उपलब्ध कराने तथा उन्हें जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए और प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर जिला पंचायत को भेजी जाए।

**समय पर काम नहीं हुआ तो तय होगी जवाबदेही** बैठक के दौरान सीईओ ने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकता प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है। इसलिए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समय-सीमा का पूरी तरह पालन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि योजनाओं में अनावश्यक विलंब या लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन के इस सख्त रुख से अब उम्मीद की जा रही है कि जिले में वर्षों से अग्रे और बंद पड़ी पेयजल योजनाओं को गति मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों को समय पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस परिणाम सामने आएंगे।

## शिवपुरी: सड़क हादसे में घायल की नहीं हो रही सुनवाई, पीड़ित पत्नी ने एसपी कार्यालय पहुंच लगाई न्याय की गुहार...

शिवपुरी। जिले में सड़क दुर्घटना के एक पीड़ित परिवार ने न्याय की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय का दरवाजा खटखटाया है। बछौरा निवासी लक्ष्मी कुशवाह ने पुलिस पर मामले में लापरवाही बताने का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पीड़ित पति के इलाज के लिए सहयता की गुहार लगाई है।



उनके पैर और हाथ में फ्रैक्चर हो गया है, साथ ही सिर, कमर, पीठ, टांग और छाती सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर घाव हैं।

**पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप**

पीड़िता का आरोप है कि हादसा करने के बाद चालक मौके से फरार हो गया था और पुलिस ने उक्त वाहन को तो जब्त कर लिया, लेकिन आज दिनांक तक न तो चालक और न ही वाहन मालिक के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई की गई है। पीड़ित महिला ने एसपी से मांग की है कि दोषियों के खिलाफ उचित धाराओं में मामला दर्ज किया जाए, ताकि उनके पति के इलाज के लिए आर्थिक सहायता और उचित मुआवजा सुनिश्चित हो सके।

## शिवपुरी: छेड़छाड़ का विरोध करने पर दंपति पर कुल्हाड़ी और फरसे से जानलेवा हमला, न्याय के लिए पहुंचे एसपी दफ्तर...

शिवपुरी। जिले के ईसागढ़-कोलारस क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले थाना इंदर क्षेत्र के ग्राम ऐजवारा में एक सनसनीहंगामा मामला सामने आया है। यहाँ एक महिला के साथ बदनीयती से छेड़छाड़ करने और विरोध करने पर पीड़ित दंपति पर कुल्हाड़ी व फरसे से जानलेवा हमला कर लहलुहान कर दिया गया। घटना से अस्मृत और डरा हुआ पीड़ित परिवार आज न्याय की गुहार लगाने पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय शिवपुरी पहुंचा।



**गोबर इक्कड़ करते समय की छेड़छाड़, बचाने आए पति पर फरसे से चार** : शिकायती आवेदन के अनुसार, घटना 6 जुलाई 2026 की सुबह लगभग 6:30 बजे की है। प्रार्थियां तारा यादव ग्राम ऐजवारा में सुबह गोबर एकत्रित करने के स्थान पर काम कर रही थीं। इसी दौरान गांव का ही आरोपी राजेश यादव बदनीयती से पीछे से आया और महिला की साड़ी खींच दी। जब पीड़ित महिला चिल्लाई, तो उसे बचाने उसका पति राजपाल यादव मौके पर पहुंचा। इस बात पर आरोपी राजेश ने शेष में आकर राजपाल पर फरसे से हमला कर दिया।

अत्यधिक खून बहने लगा। वहीं, बीच-बचाव करने आई प्रार्थियां तारा यादव का दायां हाथ फ्रैक्चर हो गया। इसके अलावा दोनों के हाथ, पैर, पीठ और कमर में भी गंभीर चोटें आई हैं। इस पूरी घटना को गांव के ही रामभान यादव और मेहताब सिंह यादव ने देखा और बीच-बचाव किया, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

**पुलिस पर राजनीतिक प्रभाव में कमजोर कार्रवाई का आरोप** : पीड़ित दंपति तारा यादव और राजपाल यादव ने एसपी को सीपे आवेदन में बताया कि थाना इंदर में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जहाँ पुलिस ने अपराध क्रमांक 119/2026 तो दर्ज किया है, लेकिन उनके बताए अनुसार उचित धाराओं में कार्रवाई नहीं की गई। पीड़ितों का आरोप है कि आरोपी पक्ष धनबल से संपन्न और राजनीतिक रूप से प्रभावशील है, जिसके दबाव में पुलिस आरोपियों को बचा रही है। इतना ही नहीं, आरोपी अब पीड़ितों को धमकी दे रहे हैं कि यदि आगे शिकायत की तो बाहर पढ़ रहे उनके बच्चों को झूठे केस में फंसा देंगे।

## शिक्षक और दबंगों के चंगुल में दतुला: 100 बीघा वन भूमि हथियाई, मवेशियों का निवाला छीना

**शिवपुरी (निज संवाददाता)।** जिले की नरवर तहसील स्थित ग्राम दतुला में इन दिनों प्रशासनिक उदासीनता और दबंगों की मममनी का एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। गांव के निवासी पिछले काफी समय से एक विक्ट संकट का सामना कर रहे हैं, जहां उनकी जीवन रेखा मानी जाने वाली सरकारी जमीन और सार्वजनिक रास्ते पर कुछ दबंगों ने कब्जा जमा लिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि जसवंत सिंह गुर्जर और लखन सिंह गुर्जर पुत्राग्र पीतम सिंह ने गांव के मुख्य आम रास्ते को ही अवरुद्ध कर दिया है, जिससे ग्रामीणों का दैनिक अवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब गांव के ही हाकिम सिंह गुर्जर नामक शिक्षक पर अपने पद का शीव दिखाकर सरकारी जमीन पर पक्का मकान बनाने और वन विभाग की बेशकीमती भूमि पर अवैध कब्जा करने के गंभीर आरोप लगे हैं।



ग्रामीणों के अनुसार, सर्वे नंबर 81, 84 और

667/1 जैसी महत्वपूर्ण सरकारी जमीनों को निजी संपत्ति की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन सबसे चौकाने वाला खुलासा वन विभाग की जमीन सर्वे नंबर 668 को लेकर हुआ है। इस करीब 100 बीघा बड़े कबजे पर कब्जा कर खेली की जा रही है, जो जमीन पहले गांव के मवेशियों के लिए एकमात्र चरागाह हुआ करती थी। इस चरागाह के छिन जाने से अब पशुपालक भीषण संकट में हैं, क्योंकि उन्हें अपने पशुओं को चराने के लिए मीलों दूर भटकना पड़ रहा है, जिससे उनकी रोजी-रोटी पर भी संकट के

बादल मंडाने लगे हैं।

बंटी गुर्जर, अरविंद, धर्मेन्द्र सिंह, केदार सिंह, मोहन सिंह, रामनिवास, नारायण, रामवीर, गजेंद्र, रामकिशन और सुनील समेत दर्जनों ग्रामीण प्रशासनिक अधिकारियों के दफ्तरों के कई चक्कर काट चुके हैं, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। अपनी व्यथा लेकर अंततः गुरुवार दोपहर 12 बजे सभी पीड़ित ग्रामीण कलेक्टर पहुंचे और कलेक्टर तथा वन विभाग के डीएफओ को लिखित शिकायत सौंपकर तत्काल दखल की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से साफ कह दिया है कि यदि आठ दिनों के भीतर उनके रास्ते को बहाल नहीं किया गया और वन भूमि सहित अन्य सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया गया, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। अब देखा यह है कि प्रशासन इस दबंगों पर क्या कार्रवाई करता है और क्या दतुला के ग्रामीणों को उनका हक वापस मिल पाता है।

## कलेक्टर श्री वर्मा ने शिवपुरी के बड़ौदी स्थित शासकीय स्कूल का किया औचक निरीक्षण...

शिवपुरी (निज संवाददाता)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने आज शिवपुरी जिले के बड़ौदी स्थित 'एकीकृत शांता शासकीय माध्यमिक विद्यालय, बड़ौदी सड़क' का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल की शैक्षणिक गतिविधियों और सहायक बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। बच्चों के साथ संवाद किया। साथ ही स्कूल में शिक्षकों की उपस्थिति की भी जानकारी ली।

**गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर**

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया और उनकी पढ़ाई-लिखाई के स्तर को परखा। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए निरंतर प्रयासों पर बल दिया।

**सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के निर्देश**



विद्यालय परिसर का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था और शौचालयों की स्थिति का बारीकी से अवलोकन

किया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया कि परिसर में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था बनाए रखें और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं में कोई कमी न रहे।

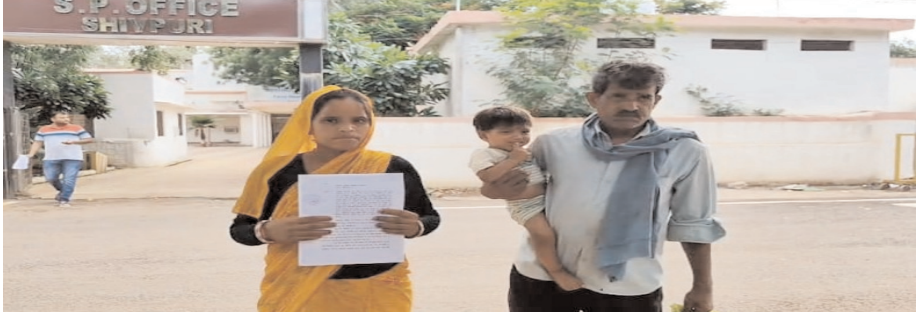
**छात्र छात्राओं से किया संवाद**

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने कहा कि विद्यालय के दौरान छात्र छात्राओं से भी संवाद किया। बच्चों के प्रतिदिन स्कूल आने और पढ़ाई के लिए कहा। बच्चों से संवाद के दौरान एक पूरी कक्षा में एक खुशनुमा माहौल बन गया।

**सकारात्मक वातावरण बनाने की अपील**

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने कहा कि विद्यालय में अनुशासित और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण का होना अनिवार्य है, ताकि विद्यार्थी बेहतर ढंग से शिक्षा ग्रहण कर सकें। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को इन व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

## दो बार टूटी शादी, अब गर्भवती बेटी पर ससुरालियों का सितम; पोहरी के पिता ने मांगी इंसाफ की भीख



**शिवपुरी (निज संवाददाता)।** एक पिता अपनी बेटी को सुखद वैवाहिक जीवन का सपना देकर विदा करता है, लेकिन शिवपुरी जिले के पोहरी थाना अंतर्गत ग्राम दुलहरा के रहने वाले पितृबी जाटव की आंखों के आंसू इस बात की गवाही दे रहे हैं कि उनकी लाडली का जीवन नर्क बन चुका है। अपनी व्यथा लेकर आज गुरुवार को दोपहर 3 बजे एसपी कार्यालय पहुंचे पिता का दर्द इतना गहरा है कि हर किसी का दिल पसीज जाए।

पितृबी जाटव की दूसरी बेटी हल्की जाटव की दास्तां किसी फिल्म की कहानी से कम नहीं है, लेकिन इसका अंत बेहद दर्दनाक है। हल्की की शादी तीन साल पहले ग्राम डेबा में हुई थी, जहां ससुराल में उसे लगातार प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। एक साल तक जुलूस सहने के बाद मजबूरन उनका तलाक हो गया। परिवार ने उम्मीद की थी कि दूसरी शादी के बाद सब ठीक हो जाएगा, और करीब दो साल पहले उन्होंने हल्की की शादी ग्राम तीमानी निवासी अवतार जाटव

के साथ कर दी।

किस्मत का क्रूर मजाक देखिए, इस बार भी हल्की की किस्मत नहीं बदली। पीड़िता का आरोप है कि उसका पति अवतार और जेठ शराब के नशे में उसे बुरी तरह पीटते हैं। घर के बलेस और शारीरिक हिंसा से तंग आकर ससुराल वालों ने उसे घर से बाहर निकाल दिया है। सबसे गंभीर और चिंताजनक बात यह है कि हल्की अभी पांच माह की गर्भवती है, लेकिन इस नाजुक स्थिति में भी वह दर-दर भटकने को मजबूर है। न तो पति और न ही परिवार का कोई सदस्य मानवीय संवेदना दिखाते हुए उसकी सहायता दे रहा है।

अपनी गर्भवती बेटी की दर्दनीय स्थिति और ससुराल पक्ष के अमानवीय व्यवहार से हताश पिता ने अब पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित पिता ने प्रशासन से अपनी बेटी को न्याय दिलाने और ससुराल वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है ताकि उसकी बेटी सुरक्षित अपने घर लौट सके।

## ।। श्री गणेशाय नमः ।। ।। श्री मते रामानुजाय नमः ।।



शनिवार की श्री योगिनी एकादशी व्रत श्री वैष्णव सम्प्रदाय 7 दि.12 जुलाई रविवार को सूर्य प्रदोष व्रत और मासिक शिवरात्रि व्रत 7 दि.14 जुलाई मंगलवार को भोमवती अमावस्या देव पितृ कार्य हेतु 7 दि.15 जुलाई 2026 बुधवार को आषाढ़ गुप्त नवरात्रि प्रारम्भ 7 पण्डित रामखिलान दास मो.9617927811

## संपादकीय छात्रशक्ति से राष्ट्रशक्ति में परिणीति के 78 वर्ष

-अंकित शुक्ल

भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा को केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं अपितु चरित्र निर्माण, समाजोत्थान व राष्ट्र चेतना का आधार माना गया है। हमारे ग्रंथों में वर्णित है-विद्या ददाति विनयं, विनयदा् याति पात्रताम्। पात्रत्वात् धनमाप्नोति, धनात् धर्मम् ततः सुखम्।

इसी महान शिक्षा दृष्टि को आधुनिक भारत के विद्यार्थी जीवन में मूर्त रूप देने का कार्य अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने किया- ‘देह तो थी, ध्येय परिषद ने दिया।’ यह केवल एक पंक्ति नहीं बल्कि उन लाखों युवाओं की अनुभूति है जिन्होंने अपने छात्र जीवन को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखा बल्कि राष्ट्र पुर्ननिर्माण का संकल्प लेकर स्वयं को समाज के लिए समर्पित किया। 9 जुलाई भारतीय छात्र आंदोलन के इतिहास में केवल एक तिथि भर नहीं अपितु एक ऐसे विचार की आरम्भ तिथि है जिसने विद्यार्थी जीवन को राष्ट्र जीवन के व्यापक संदर्भ से जोड़ने का अद्वितीय कार्य किया। इसी दिन 1949 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का विधिवत पंजीकरण हुआ और तब से लेकर आज तक परिषद निरंतर छत्रछिंह, समाजहिहि एवं राष्ट्रहित के विवेची संगम का प्रतीक बनी हुई है।

आज जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपनी 78 वर्षों की गौरवाभावा का उत्सव मना रही है, तब यह केवल एक संगठन की स्थापना की वर्षगांठ नहीं, बल्कि भारत के विद्यार्थी आंदोलन की उस ख्यंगिमा यात्रा का उत्सव है जिसने अनगिनत युवाओं को राष्ट्र सेवा का मार्ग दिखाया। विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन के रूप में स्थापित परिषद ने समय-समय पर यह सिद्ध किया है कि विद्यार्थी भविष्य का नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान का राष्ट्र निर्माता है।

भारत की स्वतंत्रता के तुरंत बाद राष्ट्र अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था। शिक्षा व्यवस्था औपनिवेशिक मानसिकता से ग्रस्त थी, समाज दिशाहीनता का अनुभव कर रहा था और युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने वाला कोई व्यापक राष्ट्रीय मंच उपलब्ध नहीं था। ऐसे समय कुछ राष्ट्रनिष्ठ युवाओं ने यह अनुभव किया कि यदि भारत का भविष्य उज्ज्वल बनना है तो विद्यार्थियों को अट्ट निर्माण का सहभागी बनाना होगा। इसी चिंतन से परिषद का उदय हुआ। परिषद का ध्येय वाक्य ‘ज्ञान, शील, एकता’ विद्यार्थियों की पहचान तथा उनकी अंतिर्निहित सम्भावना का दूरदर्शी तत्व है। उस दौर में विद्यार्थियों के प्रति सकारात्मक मानसिकता की स्थापना करते हुए परिषद ने नारा दिया ‘छात्र शक्ति-राष्ट्र शक्ति ’; अतः राष्ट्र पुर्ननिर्माण के कार्य का प्राथमिक आधार विद्यार्थी शक्ति का एकसूत्र होना है।

इस यात्रा में परिषद की विशेषता यह भी रही कि उसने रचनात्मक आंदोलन के साथ देशकाल-परिस्थितियों के अनुसार राष्ट्र की विद्यार्थी शक्ति को दिशा देने के लिए वैविध्यपूर्ण गतिविधियों को अपना मूल स्वभाव बनाया। छात्र समस्याओं के समाधान से लेकर शिक्षा सुधार, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, ग्राम विकास, आयादा राहत, रक्तदान, सेवा बर्तिव्यों में कार्य, महिला स्वावलंबन, पूर्वोत्तर भारत के साथ भावनात्मक एकात्म, सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनेक विषय परिषद की कार्ययोजना का हिस्सा बने। परिषद का विश्वास रहा कि परिवर्तन विरोध या विवाद से नहीं बल्कि सकारात्मक सृजन से आता है। यही उसका रचनात्मक दृष्टिकोण है।

अभाविष की यात्रा केवल परिसरों तक सीमित नहीं रही। जब भी राष्ट्र के सामने संकट आया, परिषद के कार्यकर्ता सबसे आगे दिखाई दिए। कैम्पस दू कमुनिटी के माध्यम से परिसर में अध्ययनरत विद्यार्थियों को समाज में उनकी भूमिका का बोध कराने के लिये परिषद ने प्रभावी ढंग से कार्य किया। कई प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्य हों, सामाजिक जागरण के अभियान हों, गुरुवृत्ता और पर्यावरण संरक्षण के प्रयास हों अथवा शिक्षा के अधिकार और गुणवत्ता के लिये संघर्ष, हर क्षेत्र में परिषद ने अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से समाज का विश्वास अर्जित किया।

परिषद की एक विशेष पहचान उसके विविध आयामों व प्रकल्पों से भी बनती है। स्टूडेंट्स फॉर डेवेलपमेंट (एयरफंडे) के माध्यम से पर्यावरण और सतत विकास का विमर्श, स्टूडेंट्स फॉर सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों का सरोयोग, राष्ट्रीय कला मंच के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं कला का संरक्षण, भारत के माध्यम से युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली के आग्रह के साथ पारंपरिक खेलों का संरक्षण व संवर्धन, स्टूडेंट्स (स्टूडेंट्सइटुडेंट्स) ध्व-ध्वदहदहदहदहद द्रुद द्रुदहदहदहदहदहद द्वा द्वाइदृद) के माध्यम से पूर्वोत्तर और भारत के अन्य स्थानों के बीच आत्मीय संबाद, थिंक ड्रिंथ्या के माध्यम से अखिल भारतीय महत्व के संस्थानों से नेतृत्व का निर्माण, शोध के माध्यम से भारत आधारित अनुसंधान तथा सविकार के माध्यम से नवोन्मेय व उद्दिमिता-ये सभी आयाम परिषद के व्यापक दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करते हैं।

इन 78 वर्षों में परिषद ने केवल संगठन का विस्तार नहीं किया बल्कि नेतृत्व की ऐसी परंपरा विकसित की जिसने समाज, शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, न्याय, उद्योग, मीडिया और रजनीति सहित अनेक क्षेत्रों को राष्ट्रनिष्ठ नेतृत्व प्रदान किया। परिषद की कार्यपद्धति व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की अवधारणा पर आधारित है। यहाँ कार्यकर्ता केवल कार्यकर्ता का सहभागी नहीं बनता बल्कि सेवा, अनुशासन, संगठन और नेतृत्व के संस्कार प्राप्त करता है। परिषद की सबसे बड़ी शक्ति उसकी वैचारिक स्पष्टता और सांठनात्मक अनुशासन है। समय बदलता रहा, परिस्थितियाँ बदलती रहीं लेकिन परिषद का मूल उद्देश्य नहीं बदला इसलिए राष्ट्र सर्वोपरि की भावना, विद्यार्थी-केंद्रित गतिविधियाँ और समाज परिवर्तन से राष्ट्र पुर्ननिर्माण का लक्ष्य आज भी उसकी प्राथमिकता में है। यही कारण है कि लाखों विद्यार्थी हर वर्ष परिषद से जुड़कर स्वयं को एक बड़े राष्ट्रीय उद्देश्य का भागीदार बनाते हैं।

आज नई शिक्षा नीति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल शिक्षा, स्टार्टअप संस्कृति, अनुसंधान, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का युग है। ऐसे समय में परिषद विद्यार्थियों को केवल रोजगार के लिए नहीं बल्कि उत्तरदायी नागरिक और विश्वम नेतृत्व के रूप में विकसित करने का कार्य कर रही है। शिक्षा को भारतीयता, नैतिकता और आधुनिकता से जोड़ने का जो प्रयास परिषद दशकों से करती रही है, वह आज और भी अधिक समसंगिक दिखाई देता है।

अभाविष की अछरार वर्षों की यात्रा अटूट पुरुषार्थ, राष्ट्रभक्ति तथा छात्रशक्ति से राष्ट्रेशक्ति की परिणीति की जीवंत कथा है। आज आवश्यक है कि देश का प्रत्येक विद्यार्थी केवल सफलता का स्वप्न न देखे बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व का बोध करते हुए राष्ट्र पुर्ननिर्माण के इस महायज्ञ में अपनी आहुति प्रदान करे।

# रायपुर : छत्तीसगढ़ राज्य श्रम संहिता नियमों संबंधी बैठक सम्पन्न

रायपुर 09 जुलाई (हि.स.)। मुख्य सचिव विकास संहिता की अध्यक्षता में आज गुरुवार को छत्तीसगढ़ राज्य श्रम संहिता नियमों संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य श्रम संहिता नियमों की अधिसूचना की स्थिति, श्रम विभाग द्वारा केन्द्र का औद्योगिक संबंध (छत्तीसगढ़) नियम 2026 के प्रारूप पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने श्रम विभाग के अधिकारियों को संहिता अंतर्गत राज्य नियम शीघ्र अधिसूचित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संहिता के क्रियान्वयन हेतु विभागीय पोर्टल में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव विशेष रूप से मौजूद थे।

बैठक में संयुक्त सचिव डॉ. महेन्द्र कुमार ने बताया कि भारत सरकार द्वारा 29 श्रम कानूनों के स्थान पर 4 श्रम संहिताओं क्रमशः मजदूरी संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता एवं उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदर्शाएं संहिता को लागू किए गए हैं। संहिताओं के प्रभावशील से नियोजकों का विभिन्न श्रम अधिनियमों के अनुगलन के भार में कमी आएगी। उन्हें विभिन्न श्रम



अधिनियमों के अंतर्गत पृथक-पृथक पंजीयन, अनुज्ञति, अभिलेखों के संभारण इत्यादि के स्थान पर एकल पंजीयन तथा कॉमन एवं एकल अनुज्ञति तथा अभिलेखों के संभारण में सुविधा होगी। संहिताओं के अंतर्गत श्रमिकों को नियुक्ति पत्र दिया जाना अनिवार्य होगा तथा संगठित एवं असंगठित क्षेत्र में कार्यरत सभी श्रेणी के श्रमिकों का न्यूनतम वेतन सुनिश्चित किया जाएगा। किसी भी औद्योगिक संस्थान में श्रमिकों को हड़ताल से कम से कम 14 दिन पहले लिखित सूचना देना अनिवार्य होगा। ऐसे संस्थान जहां 20 या उससे अधिक कर्मचारी

## सच टाइम्स

# करोड़ों पौधे, फिर भी सूनी धरती! आखिर हर साल हरियाली जाती कहाँ है ?

## 12 जुलाई को आगरा में 61.88 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य,

## पर्यावरणविदों ने मांगा स्वतंत्र सामाजिक और वैज्ञानिक ऑडिट

पौधे लगाने का दावा किया गया था।

सरकारी आँकड़ों के मुताबिक आगरा में 2018 में 20 लाख, 2019 में 28 लाख, 2020 में 38 लाख और 2021 में 45 लाख पौधे लगाए गए। वन विभाग का दावा है कि इनमें लगभग 70 प्रतिशत पौधे जीवित हैं।

यहीं से सवाल शुरू होता है।

अगर इतने पौधे सचमुच जीवित हैं, तो आगरा पहले से ज्यादा हरा-भरा क्यों नहीं दिखता? शहर का तापमान लगातार क्यों बढ़ रहा है? सड़कों के किनारे छायादार पेड़ क्यों कम होते जा रहे हैं? हर मानसून के बाद नया अभियान शुरू करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ती है? रिवर कनेक्ट कैम्पन से जुड़े पर्यावरण कार्यकर्ताओं का कहना है कि पेड़ जमीन पर कम और सरकारी कागजों में ज्यादा दिखाई देते हैं। उनका कहना है कि वृक्षारोपण की सफलता पौधे लगाने से नहीं, बल्कि तीन-चार साल बाद उनके जीवित रहने से मापी जानी चाहिए।

कुछ वर्ष पूर्व यमुना किनारे हुई घटना आज भी लोगों को याद है। तत्कालीन महाराष्ट्र नवीन जैन ने नदी की तलहटी में लगभग 12 हजार पौधे लगावाए थे। अगरत में यमुना का जलस्तर बढ़ा और सभी पौधे बह गए। करोड़ों रुपये की मेहनत कुछ दिनों में पानी में समा गई। इस मामले की जांच आज तक पूरी नहीं हो सकी।

रिवर कनेक्ट कैम्पन की पध्नीन अय्यर कहती हैं कि पौधे लगाना आसान है, लेकिन उन्हें बचाना मुश्किल। तीन वर्षों तक नियमित सिंचाई, सुरक्षा, खाद और निगरानी के बिना अधिकांश पौधे शुरुआती दौर में ही नष्ट हो जाते हैं। पौधे लगाने के बाद उनकी देखभाल अक्सर भगवान भरोसे छोड़ दी जाती है।

वरिष्ठ पर्यावरणविद् डॉ. देवशीष भट्टाचार्य कहते हैं कि ताज ट्रेपेजियम जोन में विकास के नाम पर हरियाली लगातार घटती गई है। यमुना एक्सप्रेसवे, अगर-लखनऊ एक्सप्रेसवे, रिग रोड, फ्लाईओवर, राष्ट्रीय

राजमार्गों का चौड़ीकरण और नई कॉलोनियों ने हजारों पेड़ों की बलि ले ली। इसका असर केवल पर्यावरण पर नहीं, बल्कि ताजमहल की सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। राजस्थान की ओर से आने वाली धूल भरी हवाओं को रोकने वाली प्राकृतिक हरित पट्टी कमजोर होती जा रही है।

विडंबना यह है कि ताज ट्रेपेजियम जोन का गठन ही ताजमहल और पर्यावरण की रक्षा के लिए किया गया था। 1996 में सुप्रिम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद टीटीजेड में प्रदूषण रोकने, उद्योगों को स्थानांतरित करने और बड़े पैमाने पर ग्रीन बेल्ट विकसित करने की योजना बनी। राष्ट्रीय पर्यावरण अभियान्रिकी अनुसंधान संस्थान (इधुधधन्नु) ने भी हरित क्षेत्र बढ़ाने की सिफारिश की थी। उस समय उम्मीद जगी थी कि आगरा फिर से हरियाली की चಾದ अढ़ेगा।

लेकिन तीन दशक बाद तस्वीर निराशाजनक है। टीटीजेड में वन और हरित आवरण घटकर लगभग छह प्रतिशत या उससे भी कम रह गया है, जबकि राष्ट्रीय लक्ष्य 33 प्रतिशत है। 2021 की रिपोर्ट के अनुसार 2017 से 2019 के बीच वन क्षेत्र सिक्ुड़कर केवल 657.71 वर्ग किलोमीटर रह गया। कई तालाब और जलाशय सूख गए या प्रदूषण की चपेट में आ गए।

2015 में सुप्रिम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को पेड़ लगाने के बड़ा-चढ़ाकर किए गए दावों पर फटकार भी लगाई थी। दूसरी ओर अवैध पेड़ कटाई लगातार जारी रही। कई मामलों में अदालतों ने प्रति पेड़ 25 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया। इसके बावजूद विकास परियोजनाओं ने हरियाली को लगातार निल लिया। इसी वर्ष राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने भी टीटीजेड में पर्यावरणीय उल्लंघनों पर नोटिस जारी किया। हवा की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार नहीं आया। नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और सूक्ष्म धूल कणों का स्तर बढ़ता गया। कई पर्यावरण विशेषज्ञ अब टीटीजेड प्राधिकरण की कार्यगणाली पर गंभीर सवाल

#### – मनीष कुमार सिंह

उन लोगों की नीयत है जो इसका इस्तेमाल ठगी और बदनामी के लिए कर रहे हैं।

दुरुपयोग के किस्से अब रोज अखबारों में छप रहे हैं। कहीं छीफेक के रूप में गंभीर चुनौती भी खड़ी कर दी है। देश के शीर्ष राजनेता, फिल्मी सितारे और खिलाड़ी तक इसकी चपेट में आ चुके हैं। जब सबसे बड़े नाम ही सुरक्षित नहीं तो आम आदमी की क्या विस्तार? आक्कल ब्लास्टमैन पर ऐसे वीडियो भी खूब घूम रहे हैं जिनमें कोई प्रसिद्ध अभिनेता या क्रिकेटर पैसा दोगुना करने वाली योजना की गारंटी देना दिखता है। चेहरा अरसली, आवाज अरसली, अंतर्ज भी अरसली लेकिन पूरा वीडियो झूठा। इसी धोखे का नाम है छीफेक और यह अब किसी फिल्मी कहानी की बात नहीं रहती। चेहरा अरसली, आवाज अरसली, अंतर्ज भी अरसली लेकिन पूरा वीडियो झूठा। इसी धोखे का नाम है छीफेक और यह अब किसी फिल्मी कहानी की बात नहीं रहती। यह आम आदमी के फ्रोन तक पहुँच चुका है और बिना पड़े आगे बढ़ा देना हमारी आदत बन गई है। ऐसे में यह झूठ जंगल की आग की तरह फैलता है।

अब सवाल यह है कि बचा कैसे जाए। सबसे पहला और सबसे कारगर उपाय है रुकना। जो सामग्री देखते ही आपको गुस्से, डर या लालच से भर दे, समझ लीजिए कि वह इसी मकसद से बनाई गई है। किसी भी सनसनीखेज वीडियो को आगे बढ़ाने से पहले खुद से तीन सवाल पूछिए- इसे पोस्ट किसने किया है? क्या यह किसी आधिकारिक या भरोसेमंद स्रोत से आया है? क्या किसी प्रतिष्ठित समाचार संस्थान ने इसकी पुष्टि की है?

धोखा धकान से देखें पर छीफेक अक्सर अपनी पोल खुद खोल देता है। ऐसे वीडियो में पलकों का झपकना

अस्वाभाविक लगता है। होंठों की हलकत और आवाज का तालमेल बिगड़ा रहता है। चेहरे के किनारे धुंधले दिखते हैं और रोशनी तथा छाया आपस में मेल नहीं खाती। कान, बाल या गहनों के आसपास अजीब-सी विकृति नजर आती है। नकली आवाज भी साफ़ तलहजे, साँसों की कमी और बेतुके ढहाव से पकड़ में आ जाती है। हालाँकि तकनीक सुधरने के साथ ये कर्मियाँ घटती जा रही हैं इसलिए केवल आँखों पर भरोसा काफ़ी नहीं। गूगल लेंस जैसी सुविधा से किसी तस्वीर का असली स्रोत खोजा जा सकता है और पी.आई.वी. फेक्ट चेक जैसी सेवाओं से वायरल दावों की जाँच हो सकती है। सबसे जरूरी बात, अगर कोई परिजन फ्रोन पर पैसे माँग तो उसके जाने-पहचाने नंबर पर वापस कॉल करके या वीडियो कॉल से पुष्टि कर लीजिए। परिवार में आपस में एक गुप्त कोड शब्द तय रखना भी आज के समय की समझदारी है।

अपनी डिजिटल सुरक्षा पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों और वीडियो की प्राइवसी सेंटींग सीमित रखिए ताकि अनजान लोग उन तक न पहुँच सकें। अपनी या अपने बच्चों की हर छोटी-बड़ी तस्वीर सार्वजनिक रूप से डालने से पहले एक बार सोच लीजिए क्योंकि यही तस्वीरें छीफेक बनाने वालों के लिए स्रोत का काम करती हैं। अनजान नंबर से आए कॉल पर लंबी बातचीत से बचिए क्योंकि उठा अपनी आवाज के नमूने रिकॉर्ड कर सकते हैं। और ओ.टी.पी. या बैंक विवरण तो

## अवैध शिकार के बाद तस्करी मामलें में पासेवाड़ा रेंजर, डिप्टी रेंजर व फॉरेस्ट गार्ड निलंबित

बीजापुर, 09 जुलाई (हि.स.)। इंदवाती टाइगर रिजर्व में अवैध शिकार के बाद तस्करी के मामले में कुल 9 लोगों की गिरफ्तारी के बाद अब विभागीय तौर पर बड़ी कार्रवाई की गई है। छीफेकओ सैंदीप बल्ला ने आज बताया कि, कोताही बरतने के मामले में पासेवाड़ा रेंज अफसर कमल करयप, फॉरेस्ट गार्ड विश्वनाथ मांडी, नहरही करयप डिप्टी रेंजर को निलंबित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि, इंद्रवती टाइगर रिजर्व और उससे सटा अनुष्णमाइड का सघन वन क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों से अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करों के निशाने पर रहा है। वर्ष 2023 से लेकर अब तक सिलसिलेवार ढंग से सामने आए मामलों ने इस संरक्षित क्षेत्र में बाघों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। शिकारियों के फंदे से शुरू हुआ यह घटनाक्रम अंततः एक बड़े संगठित रैकेट के खुलासे और उसमें सरकारी कर्मियों की सलिलता तक जा पहुंचा है।

उल्लेखनीय है कि, दो वर्ष पहले फरवरी 2024 में इंद्रवती टाइगर रिजर्व और बीजापुर वन संभाग के अंतर्गत मटवाड़ा (भैरमापूर) के सीमावर्ती जंगलों में शिकारियों के एक गिरोह ने एक वयस्क नर बाघ को फंसाने के लिए जाल (फंज) बिछाया था। जब शिकारियों ने फंदे में फंसे बाघ पर हमला किया, तो अपनी जान बचाने के लिए बाघ ने उन पर भीषण जवाबी हमला कर दिया। इस संघर्ष में एक शिकारी की मौके पर ही मौत हो गई। उसका दूसरा साथी शिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया शुरुआत में वन विभाग ने इसे सामान्य वन्यजीव हमला माना था, लेकिन घटनास्थल पर मिले शिकार के उपकरणों, फंदे और खून के निशानों ने संदेह पैदा किया। अस्पताल में भर्ती घायल शिकारी से जब कड़ई को परिष्कारित हेतु प्रेषित कर दिया गया है। सामाजिक सुरक्षा संहिता एवं उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदर्शाएं संहिता को दावा आपत्ति निराकरण उपरांत प्रमाण प्रारूप तैयार किया जा चुका है।

उठ रहे हैं।

वृंदावन के पर्यावरण कार्यकर्ता जगन्नाथ पोद्दार कहते हैं कि कभी पूरे ब्रज में बारह बड़े वन हुआ करते थे। आज उसकी पहचान केवल धार्मिक ग्रंथों और स्थानों के नाम तक सीमित रह गई है। जंगलों की जगह अब सीमेंट और कंक्रीट का जंगल खड़ा हो गया है।

पर्यावरण प्रेमी एक और अहम सवाल उठाते हैं। जब हर साल एक्सप्रेसवे, नई सड़कें, हवाई अड्डे, टाउनशिप, मॉल और औद्योगिक परियोजनाएं हजारों एकड़ जमीन घेर रही हैं, तब हर साल करोड़ों नए पौधे लगाने के लिए इतनी खाली जमीन आखिर आती कहाँ से है?

एक और मुश्किल बंदरों की है। शहर और गांवों में लगाए गए हजारों पौधे बंदर उखाड़ देते हैं। कई जगह पशु भी पौधों को नुकसान पहुंचाते हैं। पौधों के चारों ओर सुरक्षा जाली, नियमित सिंचाई और निगरानी के बिना उनकी जिंदगी ज्यादा लंबी नहीं होती।

ब्रज मंडल के पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने अब तक हुए सभी वृक्षारोपण अभियानों का स्वतंत्र सामाजिक और वैज्ञानिक ऑडिट कराने की मांग की है। उनका कहना है कि केवल पौधे लगाने की संख्या गिनना काफी नहीं है। हर पौधे को जियो-टैग किया जाए, उसकी तीन साल तक निगरानी हो और जीवित पौधों की सार्वजनिक रिपोर्ट जारी की जाए। तभी जनता को असली तस्वीर मालूम होगी।

पेड़ लगाना आसान है। पेड़ बनाना मुश्किल। एक पौधे को विशाल वृक्ष बनने में वर्षों लगते हैं। उसे पानी, सुरक्षा और देखभाल चाहिए। यही जिम्मेदारी सबसे ज्यादा नदारद दिखाई देती है।

इस मानसून भी लाखों पौधे धरती में रोपे जाएंगे। कैमरे फिर चमकेंगे। रिकॉर्ड फिर बनेंगे। भाषण फिर होंगे। लेकिन असली परीक्षा अगले मानसून में होगी।

तब देश फिर वही सवाल पूछेगा; क्या इस बार पौधे सचमुच पेड़ बनेंगे, या हरियाली एक बार फिर सरकारी फाइलों की हरी प्याही तक ही मद्दूर रह जाएगी?

# किसी भी हालत में साझा न करें, चाहे सामने वाली आवाज कितनी भी अपनी क्यों न लगे।

फिर भी अगर कभी ठगी हो जाए तो घबराने की बजाय तुरंत कदम उठाइए। पैसों की धोखाधड़ी होने पर साइबर हेल्पलाइन 1930 पर फ़ोन कॉल कीजिए। जितनी जल्दी सूचना देंगे, रकम रुकने की संभावना उतनी ही ज्यादा रहती है। राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल धड़ुहदहदहदहदहदहदहदहदहद पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज हो सकती है और नजदीकी थाने में भी रिपोर्ट लिखाई जा सकती है। हमारे कानूनों में पहचान की चोरी और छेड़छाड़ की गई सामग्री फैलाने पर सजा का प्रावधान है और शिकायत मिलने पर सोशल मीडिया कंपनियाँ भी ऐसी सामग्री हटाने के लिए बाध्य हैं।

सच पुष्टि तो हर दौर में झूठ ने नए रूप धरे हैं और समाज ने परख के नए तरीके सीखे हैं। जब नकली नोट आए तो हमने असली की पहचान करना सीख लिया। अब नकली चेहरे और नकली आवाज़ें आई हैं तो हमें डिजिटल परख सीखनी होगी। बात बस इतनी-सी है कि जो देखें उस पर सोचें, जो सोचें उसे जाँचें और जाँचने के बाद ही मानें या आगे बढ़ाएँ। एआई का झूठ तभी जीतता है जब हम बिना सोचे यकीन कर लेते हैं। तकनीक चाहे कितनी भी चतुर हो जाए, एक सतर्क और विवेकशील नागरिक से बड़ी उसकी कोई काट नहीं है।

उसके शरीर पर गहरे और जानलेवा घाव थे। शिकारी घायल बाघ के करीब पहुंचे थे तो उन पर जख्मी बाघ ने झपट्टा मार दिया। जिसमें एक शिकारी की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया था।

इस घायल शेर को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) के निर्देश पर वन्यजीव विशेषज्ञों और डॉक्टरों की एक विशेष टीम ने मौके पर पहुंचकर बाघ को ट्रेकुलाइज (बेहोश) किया। बीजापुर के जंगलों में प्राथमिक उपचार देने के बाद, बेहतर चिकित्सा और गहन निगरानी के लिए इसे सड़क मार्ग से नंदनवन जंगल सफरी, रायपुर लाया गया। सफरी के आइसोलेशन वार्ड में लंबे समय तक चले इलाज के बाद यह बाघ पूरी तरह स्वस्थ हो गया। हालांकि, शारीरिक अश्वमता और दोबारा जंगली माहौल में न डग्न होने की स्थिति को देखते हुए विभाग ने इसे वापस जंगल में छोड़ने के बजाय स्थायी रूप से जंगल सफरी, रायपुर के डिस्प्ले बाड़े में रखने का निर्णय लिया।

बाघ के इस पलटवार की घटना ने यह साबित कर दिया था कि, इंद्रवती टाइगर रिजर्व क्षेत्र में शिकारी सक्रिय हैं। इसके बाद जंग जांच का दायरा बढ़ाया गया, तो मृत बाघों के अवशेषों की जल्दी का एक लंबा सिलसिला शुरू हुआ। हाल ही में कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर (बादे क्षेत्र) में भारी बारिश के बीच नाकेबंदी कर 2 मुख्य तस्करों को बाघ की दो खालों के साथ गिरफ्तार किया गया। इनमें से मुख्य आरोपित ज्ञानेश्वर विष्णु गेडम (महाराष्ट्र पुलिस का खुफिया शाखा में तैनात कॉन्टेबल और 2021 का 'राष्ट्रपति पुलिस वीरता पदक' विजेता) और दूसरा आरोपित बाबुराव राजू मंडवी (होमगार्ड का सिपाही) था, जो मोटर साइकिल चला रहा था इन्हें पकड़ा गया। जांच के दौरान कड़ियों को जोड़ते हुए कई निचले स्तर के शिकारियों और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

## मा.मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा, एवं कृषि अनुसन्धान उत्तर प्रदेश सरकार, श्री सूर्यप्रताप शाही जी की अध्यक्षता में ‘खेत बचाओ अभियान’ व तिलहन मेला तथा कृषक संवाद हुआ संपन्न

**फसलों पर अलनीनो के दुष्प्रभाव से बचने को कम पानी, कम लागत, कम फर्टिलाइजर प्रयोग वाली फसलों की करें बुवाई- मा. कृषि मंत्री एक सप्ताह में सभी कोपरेटिव केंद्रों पर फर्टिलाइजर,यूरिया,डीएपी,बीज सुनिश्चित करें नहीं तो अधिकारी कार्यवाही के लिए रहें तैयार**  
**कम वर्षा की स्थिति में किसान अपनाएं वैकल्पिक फसलें, सरकार हर कदम पर किसानों के साथ- कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही जी**

आगरा ( निज संवाददाता)। आज मा.मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा, एवं कृषि अनुसन्धान उत्तर प्रदेश सरकार, श्री सूर्यप्रताप शाही जी की अध्यक्षता में ‘खेत बचाओ अभियान’ तथा सुपर अलनीनो और सूखे के प्रभाव के अंतर्गत कृषकों के साथ संवाद एवं जनपद स्तरीय ‘तिलहन मेला ‘आरबीएस इंजीनियरिंग कॉलेज बिचपुरी सभागार में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मा.कृषि मंत्री श्री सूर्यप्रताप शाही जी, मा. विधायक श्रीमती रानी पद्मालिका सिंह जी, श्री चौ. बाबूलाल जी, एमएलसी श्री मानचंद्र सिंह गुर्जर जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया, कार्यक्रम में सभी प्रतिधियों का पुष्पगुच्छ मोमेंटो देकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र बिचपुरी में वृक्षारोपण कर एक पेड़ मां के नाम तथा वृक्षारोपण महायज्ञ अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया,कृषि मंत्री महोदय द्वारा कृषि यंत्रों ट्रैक्टर की चाभी, पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत सोलर पंप, बीज मिनी किट का वितरण, किसान क्रेडिट कार्ड के लाभार्थियों तथा कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित तिल के बीजों का वितरण, मुदा स्वास्थ्य कार्ड आदि का वितरण कर किसान भाइयों को लाभान्वित किया।



कार्यक्रम में किसान भाइयों द्वारा एक एक कर उनकी समस्या पूछी गई तथा उन्हें अभिलिखित किया गया तथा मा. मंत्री महोदय ने सीधा संवाद किया, जिसमें किसानों ने मक्का व मूंग के क्रय केंद्र खोलने, आलू की समस्या, डीएपी वितरण आदि समस्या को रखा।

उत्तर प्रदेश के मा. कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने किसान भाइयों से संवाद करते हुए कहा कि कम वर्षा की वर्तमान परिस्थितियों में किसानों को धान जैसी अधिक पानी वाली फसलों के स्थान पर ज्वार, बाजरा, मक्का, उड़द, मूंग, कोदो, सांवा एवं महुआ जैसी मोटे अनाज और दलहन फसलों की खेती अपनानी चाहिए। इन फसलों में पानी और उर्वरक की आवश्यकता कम होती है, जिनसे किसानों को आर्थिक लाभ प्राप्त होता है।

राजा बलवंत सिंह महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक संस्थान ने देश को अनेक उत्कृष्ट कृषि वैज्ञानिक दिए हैं। उन्होंने संस्थान के संस्थापक राजा बलवंत सिंह की दूरदर्शिता को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने लगभग 150 वर्षों पूर्व ही वैज्ञानिक कृषि शिक्षा की आवश्यकता को समझकर कृषि महाविद्यालय की स्थापना की थी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में निरंतर कार्य कर रही है। ‘खेत बचाओ अभियान’, ‘किसान पाठशाला’ तथा ‘विकसित कृषि अभियान’ जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से आधुनिक तकनीक किसानों तक पहुंचाई जा रही है। अब धान और गेहूं के साथ-साथ सरसों, अमरह, मक्का, बाजरा सहित कई फसलों की भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की जा रही है तथा किसानों को भुगतान एक सप्ताह से दस दिन के भीतर सीधे उनके खातों में भेजा जा रहा है।

कृषि मंत्री ने बताया कि सामान्य से लगभग 55 प्रतिशत कम वर्षा होने के कारण प्रदेश में जल संकट की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में जल संरक्षण और कम पानी वाली फसलों को अपनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने विभिन्न खरीफ फसलों के एमएसपी पहले ही घोषित कर दिए हैं ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके।

उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, कृषि यंत्र एवं बीज अनुदान जैसी योजनाओं का लाभ पारदर्शी डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से उपलब्ध कर रही है। किसानों को

सोलर पंपों पर 60 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है, जिससे सिंचाई की लागत में कमी आएगी। श्री शाही ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को समय पर यूरिया, डीएपी एवं अन्य उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। किसी भी समिति पर खाद की कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग की अपील करते हुए प्राकृतिक खेती, गोबर की खाद, जीवामृत, घनजीवामृत तथा हरी खाद के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया। साथ ही गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित बीज उत्पादन को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

पर्यावरण संरक्षण का उल्लेख करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि अल नीनो के प्रभाव के कारण वर्षा में कमी देखने को मिल रही है। जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि 12 जुलाई को प्रदेशभर में 35 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे तथा सभी किसानों से ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान में सहभागी बनने का आग्रह किया।

कार्यक्रम स्थल पर जनपद की लीड बैंक, इफ्को, उद्यान विभाग,आलू अनुसंधान केंद्र, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के स्टॉल लगाकर किसान भाइयों को लाभान्वित किया गया।

इससे पूर्व माननीय मंत्री जी द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र बिचपुरी प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम का पौधारोपण किया गया तथा निर्माणधीन किसान छात्रावास का निरीक्षण किया गया।

कार्यक्रम में संयुक्त कृषि निदेशक, फर्टिलाइजर हेरिद मिश्रा, संयुक्त कृषि निदेशक विनोद यादव, उप निदेशक कृषि मुनेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार, जिला उद्यान अधिकारी मनोज चतुर्वेदी,कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी आरएस चौहान एलडीएस चड्ढिकेश शर्मा, सीबीओ डॉ डीके पांडे सहित भारी संख्या में किसान भाई मौजूद रहे।

## खेरिया पुल पर भारी वाहनों का बेखौफ आवागमन, प्रशासन की चेतावनी के बावजूद बड़े हादसे को न्योता



शशी कुमार शर्मा

आगरा: शहर के व्यस्त खेरिया पुल पर भारी वाहनों के प्रवेश को लेकर प्रशासन द्वारा जारी प्रतिबंध केवल कागजों तक सीमित होकर रह गए हैं। पुल की जर्जर स्थिति और सुरक्षा के मद्देनजर भारी वाहनों के प्रवेश पर सख्त पाबंदी लगाई गई थी, लेकिन वर्तमान में आदेशों की ध्वजियां उड़ गई जा रही हैं।

आदेशों की अनदेखी और सुरक्षा से खिलवाड़ प्रशासनिक निर्देशों के अनुसार, खेरिया पुल पर भारी वाहनों और ट्रकों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित है। इसके बावजूद, नियमों को ताक पर रखकर रोड़वेज बसों सहित भारी मालवाहक ट्रकों का आवागमन निरंतर जारी है। हेरान करने वाली बात यह है कि यातायात पुलिस द्वारा लगाई गई बैरिकेटिंग को भी कुछ स्थानों से हटा दिया गया है, जिससे भारी वाहनों को बिना किसी बाधा के पुल पर प्रवेश मिल रहा है।

किसी भी समय घट सकता है बड़ा ख़दसा

पुल की वर्तमान संरचना और भारी वाहनों के लगातार दबाव को देखते हुए विशेषज्ञों ने इसे पहले ही असुरक्षित

घोषित किया हुआ है। भारी वाहनों की आवाजाही से न केवल पुल के ढहने का खतरा बना हुआ है, बल्कि स्थानीय नागरिकों और राहगीरों के लिए भी यह जानलेवा साबित हो सकता है। यदि समय रहते प्रशासन ने इस पर सख्त सज्जन नहीं लिया, तो किसी भी समय कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है।

प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग स्थानीय नागरिकों और जागरूक लोगों ने जिला प्रशासन और यातायात पुलिस से मांग की है कि:

खेरिया पुल पर भारी वाहनों का

प्रवेश अविलंब रोक जाए।

हटाए गए बैरिकेट्स को पुनः स्थापित कर सुरक्षा घेरा मजबूत किया जाए।

नियमों का उल्लंघन करने वाले भारी वाहनों और रोड़वेज चालकों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

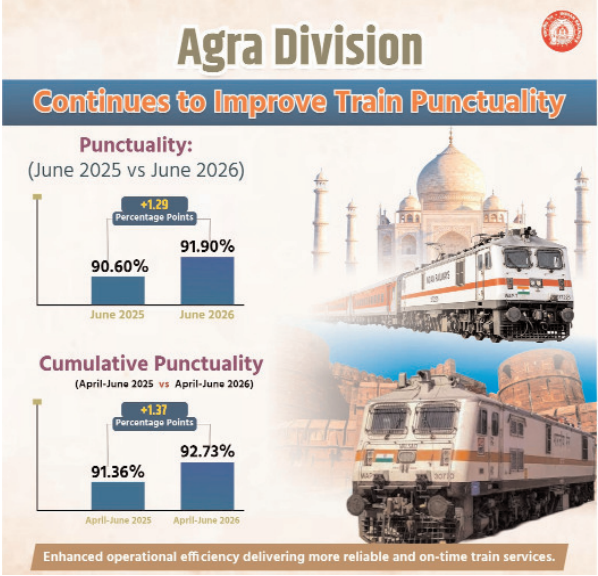
पुल पर यातायात पुलिस की स्थायी तैनाती सुनिश्चित की जाए ताकि आदेशों का पालन हो सके।

इस गंभीर विषय पर प्रशासन की चुप्पी बड़े सवाल खड़े कर रही है। क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना के इंतजार में है, या फिर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे?

# यात्रियों को मिली अधिक समयबद्ध रेल सेवा, मिशन ‘उपलब्ध’ के तहत आगरा मंडल में टिकट दलालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

आगरा (निज संवाददाता)। मंडल ने ट्रेनों के समयपालन में उल्लेखनीय सुधार दर्ज करते हुए यात्रियों को अधिक विश्वसनीय एवं समयबद्ध रेल सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री गगन गोयल के मार्गदर्शन में तथा सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से जून 2026 में आगरा मंडल का समयपालन 91.90 प्रतिशत रहा, जबकि जून 2025 में यह 90.60 प्रतिशत था। इस प्रकार मंडल ने 1.29 प्रतिशत अंक का सुधार दर्ज किया। इसी प्रकार अप्रैल से जून 2026 में समयपालन उपलब्धि



92.73 प्रतिशत रही, जो अप्रैल से जून 2025 की 91.36 प्रतिशत उपलब्धि की तुलना में 1.37 प्रतिशत अंक अधिक है। समयपालन में यह सुधार बेहतर परिचालन प्रबंधन, विभिन्न विभागों के प्रभावी समन्वय, सतत निगरानी तथा रेलकर्मियों की प्रतिबद्धता का परिणाम है। मंडल द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित एवं निर्बाध संचालन के साथ-साथ समयबद्ध सेवा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आगरा मंडल यात्रियों को सुक्षित, विश्वसनीय एवं समयनिष्ठ रेल सेवाएँ उपलब्ध कराने के अपने संकल्प के साथ भविष्य में भी उत्कृष्ट परिचालन प्रदर्शन हेतु निरंतर कार्य करता रहेगा।

आगरा (निज संवाददाता)। मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री गगन गोयल के दिशा-निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त आगरा श्री पी. राज मोहन के मार्गदर्शन में आगरा मंडल में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा टिकट दलाली के विरुद्ध विशेष अभियान ‘मिशन उपलब्ध’ निरंतर प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम यात्रियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से टिकट उपलब्ध कराना तथा अवैध टिकट कोरबार पर पूर्ण रूप से रोक लगाना है।

अभियान के अंतर्गत आगरा मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं चिकित्त सेवेदनशील स्थानों पर सख्त नजर एवं निगरानी की गई। इस दौरान अप्रैल से जून 2026 में आरपीएफ द्वारा 05 टिकट दलालों (टाउटर्स) को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से 14 भविष्य की यात्रा के टिकट, जिनकी कुल अनुमानित कीमत ₹33,8,22/-, तथा 87 पूर्व



यात्रा का टिकट, जिसकी कीमत ₹1,06,508/-, बरामद कर जप्त किए गए। बरामद किए गए टिकट अनधिकृत रूप से यात्रियों को अधिक मूल्य पर बेचने के उद्देश्य से रखे गए थे। इस अवधि में 05 आईडी ब्लाक भी की गयी 7

गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों के विरुद्ध रेल अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के अंतर्गत विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई से टिकट

दलाली में सख्त असामाजिक तत्वों में स्पष्ट संदेश गया है कि रेलवे परिसर एवं टिकटिंग प्रणाली के दुरुपयोग को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रेल प्रशासन यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।

आगरा मंडल भविष्य में भी ऐसे अभियानों को और अधिक सशक्त एवं व्यापक रूप से चलाकर यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं पारदर्शी रेल सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही यात्रियों से अपील की जाती है कि वे टिकट के केवल अधिकृत माध्यमों से ही खरीदें एवं किसी भी प्रकार की दलाली या सदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल रेलवे सुरक्षा बल या रेल सहायता हेल्पलाइन पर दें।

# सचिव रेखा यादव ने किया सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

धौलपुर (निज संवाददाता) । सदस्य सचिव राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अय्यख जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला एवं सेशन न्यायाधीश संजीव मागो के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एडीजे रेखा यादव ने जिले में पीड़ित महिलाओं की सहायता हेतु महिला अधिकारिता विभाग द्वारा निर्भया योजना के अंतर्गत संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वन स्टॉप सेंटर में महिलाओं एवं बालिकाओं को प्रदान की जा रही सुविधाओं सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा प्रकरणों के निष्पादन की स्थिति का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान सचिव द्वारा वन स्टॉप सेंटर में संचालित अभिलेखों आनुकूल पंजी केस रजिस्टर पारामर्श रजिस्टर एवं चिकित्सा सहायता



से संबंधित अभिलेखों की जांच की। सचिव ने लंबित एवं निस्तारित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ित महिला बालिका को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराई

जाए। सचिव ने वन स्टॉप सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं जैसे आपातकालीन चिकित्सा सहायता हुर निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ित महिला बालिका को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराई

व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया साथ ही स्वच्छता, सुरक्षा एवं गोपनीयता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने काउंसलिंग कक्ष एवं अस्थायी निवास कक्ष का अवलोकन करते हुए कहा कि पीड़िताओं की गरिमा एवं निजता का विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान चार बालिकाएं एवं एक महिला उपस्थित मिली उपस्थित बालिकाओं, महिला से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना गया तथा उनसे उनके प्रकरणों के बारे में भी जानकारी ली एवं उनको गलत कार्य न करने एवं अच्छा कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया तथा उनको अपने घरवालों से मिलकर रहने की भी सीख दी साथ ही उन्हें उनके विधिक अधिकारों एवं नालसा व रास्ता योजनाओं की भी जानकारी दी इस अवसर पर वन स्टॉप सेंटर प्रबंधक शिप्रा पचौरी स्टैनो राहुल डंडेलिया आदि मौजूद रहे।

# जिले में प्रोत्साहन आधारित कृषि वानिकी योजना प्रारम्भ

### आरएफबीडीपी परियोजना के अंतर्गत किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे 30 हजार उच्च गुणवत्ता के ग्राफ्टेड एवं लम्बे पौधे

धौलपुर (निज संवाददाता) । राजस्थान वन विभाग द्वारा आरएफबीडीपी परियोजना के अन्तर्गत प्रोत्साहन आधारित कृषि वानिकी योजना के तहत धौलपुर वन मण्डल में किसानों के लिए एक विविध अभियान प्रारम्भ किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत किसानों को अपनी निजी कृषि भूमि पर वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले ग्राफ्टेड एवं लम्बे पौधे अत्यंत रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही लगाए गए पौधों का सफलतापूर्वक संरक्षण एवं जीवित रखने पर किसानों को अगले चार वर्षों तक प्रति जीवित पौधे के आधार पर प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। इस प्रकार यह योजना किसानों को वृक्ष लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण के लिए भी आर्थिक रूप से

प्रोत्साहित करेगी। उप वन संरक्षक वी चेतन कुमार ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत इच्छुक एवं पंजीकृत किसानों को लगभग 30 हजार उच्च गुणवत्ता वाले ग्राफ्टेड एवं लम्बे पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे जो सिर्फ 3-4 साल में ही फल देने लगेंगे। इन पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बताया कि वन विभाग किसानों को कृषि वानिकी की वैज्ञानिक तकनीकों, पौधारोपण, रख-रखाव, सिंचाई, छंटाई तथा पौध संरक्षण संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान करेगा, ताकि किसान पौधों का वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन कर अधिकतम उत्पादन

प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि योजना के अन्तर्गत बड़े स्तर पर पौधों की खरीद किए जाने के कारण किसानों को श्रेष्ठ गुणवत्ता के पौधे अत्यंत रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। जिले की मुदा एवं जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उच्च गुणवत्ता के ग्राफ्टेड आम, जामुन, अमरूद, करौदा, नींबू, सफेदा, लसोड़ा, आंवला, सागवान तथा बांस सहित अन्य उपयुक्त प्रजातियों के पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। यह योजना पांच वर्षों की अवधि के लिए बताया कि वन विभाग किसानों को कृषि वानिकी के कार्यक्रमों को अनुदानित दरों पर उच्च गुणवत्ता वाले पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके परचा्ठ भी प्रदान करेगा, ताकि किसान पौधों का वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन कर अधिकतम उत्पादन

राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रोत्साहन राशि द्वितीया वर्ष 20 रुपये प्रति जीवित पौधा, तृतीय वर्ष 25 रुपये प्रति जीवित पौधा, चतुर्थ वर्ष 35 रुपये प्रति जीवित पौधा तथा पंचम वर्ष 45 रुपये प्रति जीवित पौधा दी जाएगी। उपवन संरक्षक ने जिले के किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, ग्राम सरकारी संगठनों एवं अन्य इच्छुक संस्थाओं से इस योजना का लाभ उठाने कि अपील की है। इच्छुक किसान एवं संस्थाएं उपवन संरक्षक कार्यालय चौड़ा मन्दिर के पास धौलपुर में सम्पर्क कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। योजना से सम्बन्धित अधिक जानकारी के लिए मौबाबत नम्बर 9057224954 पर सम्पर्क कर सकते हैं।





# कृषि और कृषक कल्याण है सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

**किसानों को सिंचाई के लिए दिन में ही मिलने लगेगी पर्याप्त बिजली**  
**पीकेसी और केन-बेतवा नदी परियोजनाओं से लाखों हैक्टरयर भूमि होगी सिंचित**  
**प्रदेश सरकार सड़क, सिंचाई शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचनात्मक विकास के लिए है प्रतिबद्ध**  
**शाज़ापुर ज़िले के प्रत्येक गांव तक पहुंचेगा नर्मदा जल**

**कालापौल क्षेत्र 04 लाख पौधे रोपित करने का बना रख नया रिकॉर्ड**

**मुख्यमंत्री ने किया 30.86 करोड़ रुपए के विभिन्न 12 विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण**

**मुख्यमंत्री डॉ. यादव कालापौल में किसान समृद्धि संकल्प सम्मेलन में हुए शामिल**  
**किसान भाइयों ने मुख्यमंत्री को गजमाला और हल भेंटकर किया स्वागत एवं अभिनन्दन**  
**मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ‘एक पेड़ माँ के नाम’ अभियान अंतर्गत रोपा पौधा**

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और आधारभूत विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में ‘कृषि और कृषक’ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसान कल्याण वर्ष में किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए हैं। प्रदेश में सिंचाई का कव्चा बढ़कर 55 लाख हैक्टेयर से अधिक पहुंच गया है, जिससे कृषि उत्पादन में निरंतर वृद्धि हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को शाजापुर जिले की कालापौल तहसील में आयोजित किसान समृद्धि संकल्प सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 30.86 करोड़ रुपए के 12 विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। इनमें 01 करोड़ 45 लाख 56 हजार रुपये की लागत के 04 कार्यों का भूमि पूजन और 29 करोड़ 39 लाख 92 हजार रुपये लागत के 8 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। सम्मेलन में किसान भाइयों ने भावांतर भुगतान योजना एवं केसीसी ऋण चुकाने की अवधि बढ़ाने पर मुख्यमंत्री का गजमाला से साथ ही हल भेंटकर एवं महिला किसानों ने राखी बांधकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हितग्राहियों को हितलाभ वितरण कर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिसर में ‘एक पेड़ माँ के नाम’ अभियान अंतर्गत पौधा भी लगाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं उपस्थित अतिथियों ने एक पेड़ माँ के नाम, हर भार कालापौल अभियान अंतर्गत 04 लाख पौधे रोपण के लक्ष्य अन्तर्गत कृषि उपज मण्डी प्रांगण में पौध-रोपण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से अधिक से अधिक



पौध-रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जनभागीदारी से पौध-रोपण अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कालापौल क्षेत्र 04 लाख पौधे रोपित करने के लक्ष्य का यह वृक्ष गंगा अभियान का नया रिकॉर्ड बना रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक खेतों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन राशि देने तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए गौपालकों को विशेष सहायता प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़नी बहना योजना अन्तर्गत अब तक लगभग 60 हजार करोड़ रुपये की राशि प्रदेश को बहनों के खातों में अंतरित की जा चुकी है। इससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। प्रधामंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना सहित विभिन्न नदी जोड़ो योजनाओं से लाखों हैक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इससे शाजापुर सहित अनेक जिलों के किसानों को दीर्घकालीन लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शाजापुर जिले के प्रत्येक गांव तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को अब सिंचाई के लिए रात में खेतों पर नहीं जाना पड़ेगा। सरकार चरणबद्ध तरीके से किसानों को दिन के समय ही सिंचाई के लिये विद्युत उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में किसानों को अब खरीफ और रबी फसल के लिए अलग-अलग ऋण लेने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें पूरे वर्ष के लिए एक ही फसल ऋण

उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे किसानों को आर्थिक सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार कृषि लागत कम करने, उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उद्योगों में बड़े निवेश के साथ युवाओं को सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश तेजी से बढ़ा है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर विकसित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार सड़क, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचनात्मक के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से विकास कार्यों में सहभागि बनने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार किसान, महिला, युवा और गरीब सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंद्रसिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में शाजापुर जिला प्रगति की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि शाजापुर जिला मेडिकल शिक्षा, आयुर्वेदिक और शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा का हव बनने जा रहा है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि शाजापुर में मेडिकल कॉलेज व शुजालपुर में आयुर्वेदिक कॉलेज की सीमागत तथा कई सैदीपनि विद्यालय शाजापुर जिले में बनाए जा रहे हैं, इससे शाजापुर जिले के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के लिए अन्य शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। क्षेत्रीय सांसद श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में निरंतर विकास के कार्य किया जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री

## केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने ‘डैस्टिनेशन त्रिपुरा बिजनेस कॉन्वलेव 2026’ में निवेशकों से त्रिपुरा की अपार संभावनाओं से जुड़ने का किया आह्वान



अगरतला, 09 जुलाई (हि.स.)। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास एवं संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुजरात को वरुंअल माध्यम से ‘डैस्टिनेशन त्रिपुरा बिजनेस कॉन्वलेव 2026’ को संबोधित करते हुए देश-विदेश के उद्योग जगत से त्रिपुरा की विकास यात्रा का सहभागी बनने और राज्य में निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा आज पूर्वोत्तर के सबसे संभावनाशील निवेश गंतव्यों में से एक बनकर उभर रहा है और निवेश, उद्योग तथा वैश्विक व्यापार के लिए नए अवसर प्रदान कर रहा है। सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पूर्वोत्तर भारत, विकसित भारत की यात्रा का प्रमुख विकास इंजन बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की ‘एकट ईस्ट’ नीति ने पूर्वोत्तर को देश की सीमांत भूमि से बदलकर दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित किया है, जिससे व्यापार, निवेश और क्षेत्रीय संपर्क के अभूतपूर्व अवसर सृजित हुए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. माणिक

साहा के नेतृत्व में त्रिपुरा तीव्र गति से एक बेहतर संपर्क, आधुनिक अधोसंरचना और निवेश-अनुकूल वातावरण वाले राज्य के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि ‘डैस्टिनेशन त्रिपुरा बिजनेस कॉन्वलेव इस बात का प्रमाण है कि राज्य दीर्घकालिक निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि अगरतला आज दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है, जो 67 करोड़ से अधिक आबादी वाले आसियान बाजार से भारत को जोड़ने की क्षमता रखता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि त्रिपुरा प्राकृतिक गैस, चांस, अगरतुड़, खर, चाय, मसालों और बगवानों उत्पादों जैसी प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। राज्य में शिक्षित मानव संसाधन, निवेश-अनुकूल नीतियां, तेजी से विकसित होती आधारभूत संरचना तथा भारत का तीसरा अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट गेटवे मौजूद है। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा चांस उत्पादक और प्राकृतिक खर का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक होने के कारण त्रिपुरा विनिर्माण, खाद्य

## पहाड़गढ़ विकासखंड के चार गांवों में कलेक्टर ने स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

*शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, मध्याह्न भोजन एवं पेयजल व्यवस्थाओं का लिया जायजा*

मुरैना (निज संवाददाता)। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने गुरुवार को पहाड़गढ़ विकासखंड के भ्रमण के दौरान ग्राम अरेटी, निचली बहराई, चाचुल स्थित प्राथमिक विद्यालयों एवं कन्हार स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री जांगिड़ ने विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था एवं शैक्षणिक गुणवत्ता का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी अध्ययन संबंधी जानकारी प्राप्त की तथा पाठ्यपुस्तकों के वितरण की स्थिति की समीक्षा की। कलेक्टर ने विद्यालयों में संचालित मध्याह्न भोजन योजना के संचालन, भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति का सत्यापन करते हुए उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया तथा नियमित उपस्थिति दी जाएगी।इसके साथ ही योजना के माध्यम से आईटीआई और अग्रणी उद्योगों के बीच सहयोग को और मजबूत बनाने पर भी जोर दिया जाएगा, ताकि प्रशिक्षुओं तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को समय-समय में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।



जनजातीय समूह (पीवीटीजी) सहरिया समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए यह परियोजना संचालित की जा रही है। लगभग 176.91 लाख रुपये की लागत से संचालित यह चार वर्षीय परियोजना 14 अक्टूबर 2025 से शुरू हो चुकी है जो कि 13 अक्टूबर 2029 तक नियमित संरक्षण करें तथा आधुनिक कृषि एवं उद्यानिकी तकनीकों को अपनानेक अपनी आय में वृद्धि करें। उन्होंने कहा कि नाबाई द्वारा संचालित यह परियोजना ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में सतत विकास तथा आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने बताया कि नाबाई, भोपाल के सहयोग से पहाड़गढ़ विकासखंड में विशेष रूप से कमजोर



डॉ. यादव को शाजापुर लोकसभा क्षेत्र में किये जा रहे नए-नए विकास कार्यों के लिए धन्यवाद दिया। कालापौल विधायक श्री घनश्याम चंद्रशेखी एवं डॉ. रवि पांडे ने भी सभा को संबोधित किया।

**विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण**  
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को कालापौल के सम्मेलन में शासकीय हत्यार सेकण्डरी स्कूल ग्राम भैसायागढ़ में अतिरिक्त कक्ष 5, बाँयलंजी, केमेस्ट्री एवं फिजिक्स लेब निर्माण लागत 01 करोड़ 07 लाख 31 हजार रुपए, वार्ड नं. 07 में टीन शेड निर्माण कार्य लागत 9 लाख 22 हजार रुपए, टीन शेड निर्माण वार्ड नं. 01 में कार्य लागत 17 लाख 52 हजार रुपए, वार्ड नं. 04 में सी.सी. रोड निर्माण कार्य लागत 11 लाख 51 हजार रुपए इस प्रकार कुल 01 करोड़ 45 लाख रुपए के कार्यों का भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 2 करोड़ 25 लाख रुपए की लागत के 06 ग्राम पंचायतों कुमेर, कोलबा, मोहमदपुर मछनई, कमालपुर, कंकरिया, गणेशपुर में अटल पंचायत भवन निर्माण, 25 लाख रुपये लागत के सामुदायिक भवन नांदनी, 2 करोड़ 95 लाख 45 हजार रुपये लागत के ग्राम खरदौनकलाँ ब्लॉक कालापौल में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन मय जी-01 एवं 01 एच टाईर आदि आवासगृहों का निर्माण, 6 करोड़ 89 लाख 08 हजार रुपये लागत के शुजालपुर आष्टा मार्ग से अर्वातिपुर बड़ोदिया मार्ग (पुल कार्य चैनैज क्रमांक 5900 मीटर), 11 करोड़ 69 लाख 61 हजार रुपये लागत के भैसायागढ़ से पिपल्या नगर मार्ग (पुल कार्य चैनैज क्रमांक 18700 मीटर), 2 करोड़ 95 लाख 45 हजार रुपये लागत के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खरदौनकलाँ, 2 करोड़ 31 लाख 17 हजार रुपये लागत के खेजड़िया स्टॉप डैम काम काजवे

(बैराज), 9 लाख 16 हजार रुपये लागत के वार्ड में 03 आंगनवाड़ी भवन इस प्रकार कुल 29 करोड़ 39 लाख 92 हजार रुपये लागत के कार्यों का लोकार्पण किया।

सम्मेलन में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसौदिया, नगर परिषद कालापौल अध्यक्ष श्री जयप्रकाश अग्रवाल, नगरपालिका शुजालपुर अध्यक्ष श्रीमती बबोता परमार, ऊर्जा विकास निगम पूर्व अध्यक्ष श्री विजेंद्र सिंह सिसौदिया,पूर्व विधायक श्री जसवंत सिंह ह्यड़, प्रसिद्ध कथावाचक संत श्री गोविंद जाने, कथावाचक रामस्वरूप मनावर, श्री महा मंडलेस्वर कल्याणदास जी महाराज, श्री अम्बाराम कराडू, श्री अशोक नायक, श्री श्याम टेलर, श्री विजय बैस, संभागायुक्त श्री आशीष सिंह, एडीजी श्री राकेश गुप्ता, डीआईजी श्री नवनीत भसीन, कलेक्टर सुश्री ऋतु बाफना, पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रियंका शुक्ला सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण एवं जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

**रोड शो में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया अभिवादन, हुआ जगह-जगह भव्य स्वागत**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को कालापौल में रोड शो कर जनता का अभिवादन किया। नगरवासियों ने उनका जगह-जगह ऐतिहासिक एवं भव्य स्वागत किया। पूरे मार्ग पर नागरिकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। रोड शो नावरा पेट्रेल पंप से प्रारंभ होकर सभा स्थल तक पहुंचा। मार्ग में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों तथा आमजन ने जगह-जगह स्वागत मंच बनाकर मुख्यमंत्री का पुष्प गुच्छ भेंट, पुष्प हार एवं पारम्परिक साप्ता बांधकर हार्दिक अभिनन्दन किया। बैंड-बाजों की मधुर धुनों और जयघोष के बीच मुख्यमंत्री का नागरिकों ने गर्मजोशी से अभिनन्दन किया।

## डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मी पर हुए हिंसक हमले की फेम्स ने की कड़ी निंदा, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, 09 जुलाई (हि.स.)। महाराष्ट्र के डॉंबिवली स्थित शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मी पर हुए हिंसक हमले की फैक्ल्टी एसोसिएशन ऑफ एम्स (फेम्स) ने निंदा करते हुए शिवसेना के पार्षद और उनके



समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में संगठन ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नट्टा और केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखकर स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून बनाने की मांग की है। फेम्स के अध्यक्ष डॉ. अमरिंदर सिंह मल्ली ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि किसी भी स्वास्थ्यकर्मी के खिलाफ होने वाली हिंसा केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं है बल्कि यह पूरे देश के स्वास्थ्यकर्मियों पर हमला है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में विभिन्न चिकित्सा संगठनों ने स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ मिलकर सेंट्रल प्रोटेक्शन बिल का मसौदा तैयार किया था। इस प्रस्तावित कानून में स्वास्थ्यकर्मियों पर हिंसा से जुड़े मामलों को संज्ञेय और गैर-जनमती अपराध घोषित करने का प्रावधान शामिल है, ताकि ऐसे अपराधों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि आगामी संसद सत्र में इस विधेयक को पारित किया जाता है तो इससे स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षा मिलेगी और पूरे समाज को भी इसका लाभ होगा। उल्लेखनीय है कि कल्याण-डोंबिवली नगर निगम स्थित अस्पताल में एक गर्भवती मरीज को रेफर करने को लेकर विवाद के बाद स्थानीय शिवसेना पार्षद रमेश म्हावे और उनके समर्थकों ने डॉक्टरों और नर्सों पर हमला कर दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

## नाबाई की वाडी परियोजना से सहरिया परिवारों के जीवन में आएगा बदलाव : कलेक्टर

फसल बीमा योजना, आगुम्मान भारत योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री जांगिड़ ने नाबाई के 45वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने सभी उपस्थित जनों से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने को कहा।

इस अवसर पर नाबाई के जिला विकास प्रबंधक श्री आशीष जे. श्रीवास्तव, हंस संस्था के निदेशक डॉ. उमाशंकर शर्मा, जिला सहकारी बैंक के सहायक प्रबंधक श्री कैलारा बघेल, समाजसेवी श्री वृंदावन पारपार, क्रियान्वयन संस्था हंस के परियोजना समन्वयक श्री नीराज यादव सहित जनजातीय हितग्राही उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय समुदायों को सतत आजीविका, पर्यावरण संरक्षण एवं समग्र ग्रामीण विकास के प्रति जागरूक एवं प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने ग्रामीणों की समस्याओं से संबंधित राजस्व, कृषि, स्वास्थ्य सहित विभिन्न विषयों पर प्राप्त आवेदनों एवं सिखायतों को सुना तथा उनके शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही समस्याओं के त्वरित निराकरण का आश्वासन भी दिया।